उर्दू लर्निंग कोर्स

हिन्दी से उर्दू सीखिए

कितनी शीरीं ज़ुबान है उर्दू,
अपने भारत की शान है उर्दू।

सारे जहाँ में धूम हमारी ज़ुबाँ की है।

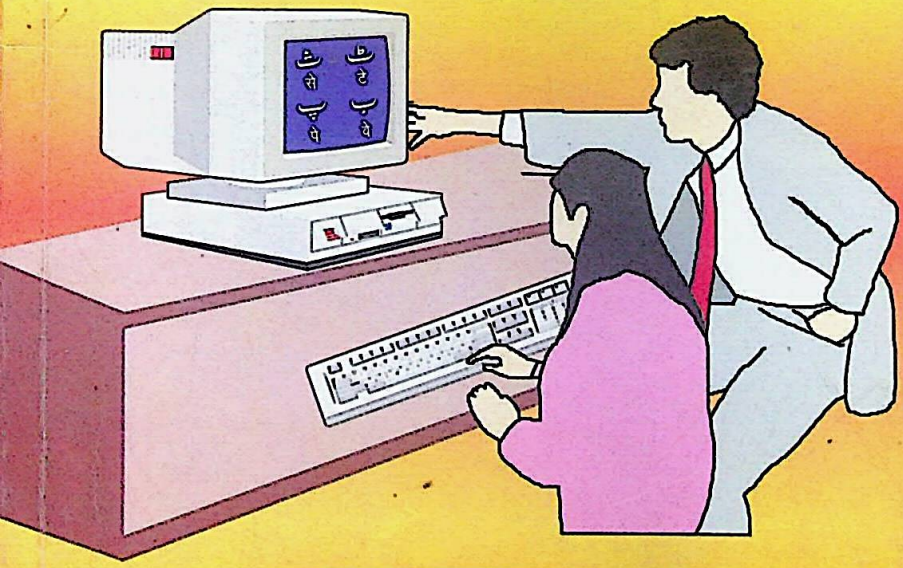

सरल प्रकाशन

उर्दू लर्निंग कोर्स

اُردو لرننگ کورس

(थोड़े समय में उर्दू सीखाने वाली एकमात्र पुस्तक)

उर्दू शब्दावली सहित

रईस सिद्दीकी

एम॰ए॰, बी॰एड॰

डिप्लोमा इन मासमीडिया

सरल प्रकाशन

Unit of Al Hasanat Books (P) Ltd

© Copyright 2007 Al Hasanat Books Pvt. Ltd. New Delhi
No part of this book can be reproduced or utilized in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopying and recording or by any information storage and retrieval system, without written prior permission of the publisher.

ISBN 81-857229-20-4

संस्करण 2014

प्रकाशक:

ए० एम० फ़हीम

सरल प्रकाशन, नई दिल्ली-2

मुख्य वित्रक:

अल हसनात बुक्स प्रा. लि.

3004/2, सर सय्यद अहमद रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली-2
Tel: 23271845, Tel Fax: 011-41563256
E-mail: alhasanatbooks@rediffmail.com
faisalfaheem@rediffmail.com

मुद्रक

एच. एस. ऑफ़सेट प्रिंन्टर्स
नई दिल्ली-2

मूल्य

₹ 50/-

प्रकाशक की ओर से .....

"उर्दू कितनी ख़ूबसूरत भाषा है। काश ! मैं थोड़े समय में आसानी से सीख सकती। मगर यह कुछ कठिन सी लगती है" कुछ समय पहले एक हिन्दी भाषी युवती ने मुझसे यह कहा था।

तब ही से मैंने ऐसी पुस्तक प्रकाशित करने की योजना बनाई जिससे आम हिन्दी भाषी व्यक्ति थोड़े समय में ही तथा बिना किसी परेशानी के उर्दू सीख सके। आज यह पुस्तक **उर्दू लर्निंग कोर्स** के नाम से आप सभी उर्दू चाहने वालों को समर्पित है।

प्रस्तुत पुस्तक उर्दू के अनुभवी प्राध्यापक द्वारा लिखी गई है। इस पुस्तक से आसान हिन्दी में उर्दू पढ़ना और लिखना सीखा जा सकता है। इसके पाठों में लेखक ने सफलतापूर्वक उर्दू भाषा के अक्षरों (हुरूफ़) को पहचान उनकी बदलती शक्लों की पहचान तथा जोड़ कर शब्द (लफ़्ज़) बनाने की जानकारी दी है। इस किताब में उर्दू लिपि को सरल ढंग से सिखाने की पूरी कोशिश की गई है।

इसके ज़रिए पाठक अथवा विद्यार्थी उर्दू भाषा को लिखने और समझने में जल्दी कुशल हो सकते हैं। इसके साथ-साथ उन्हें इसका भी ज्ञान मिल जाएगा कि किन अल्फ़ाज़ में किन हुरूफ़ का इस्तेमाल किया जाता है। यह भी साफ़ तौर पर बताया गया है कि कौन से अक्षर अपने बाद में आने वाले अक्षरों से जुड़ जाते हैं और कौन से नहीं। ये सब बातें बहुत से उदाहरणों द्वारा समझाई गई हैं।

इस किताब की एक बड़ी विशेषता इसमें दी गई उर्दू शब्दावली है जिसमें लगभग उन सभी शब्दों को दिया गया है जो हिन्दी भाषा के साथ संयुक्त रूप से प्रयोग किए जाते हैं, फ़िल्मों में बोले जाते हैं, भाषणों में प्रयोग किए जाते हैं, न्यायालयों तथा अन्य कार्यालयों में प्रयोग होते हैं। इस शब्दावली में उर्दू अल्फ़ाज़ का हिन्दी उच्चारण तथा हिन्दी में उसका अर्थ भी दिया गया है। यह शब्दावली उर्दू सीखने वालों के लिए एक वरदान सिद्ध होगी।

यह किताब न केवल उर्दू भाषा सीखने में सहायक सिद्ध होगी बल्कि इसके प्रयोग में जो आम ग़लतियां की जाती हैं उन्हें भी दूर करने में यह अपना महत्वपूर्ण योगदान देगी।

आशा है कि पाठक इस पुस्तक के बारे में अपनी राय भेजकर पुस्तक को और अधिक उपयोगी बनाने में सहयोग प्रदान करेंगे। पाठकों के सुझावों का मैं सदैव स्वागत करूँगा।

अब्दुल मालिक फ़हीम

प्राक्कथन............

रई.स सिद.दीकी साहब द्वारा लिखित पुस्तक 'उर्दू लर्निंग कोर्स' की पाण्डुलिपि (manuscript) को देखने का अवसर मुझे दिया गया। पुस्तक अपने नाम को पूरी तरह सार्थक करती है। यह पुस्तक जिस उद्देश्य को सामने रखकर तैयार की गई है, वह उद्देश्य शत-प्रतिशत सफल होगा।

उर्दू किसी एक व्यक्ति की भाषा नहीं है, किसी एक प्रान्त की भाषा नहीं है, यह तो पूरे राष्ट्र की भाषा है। इसे जानना हम सब भारतवासियों का कर्त्तव्य है। जो अदब और मिठास इस भाषा में है वह विश्व की किसी भी भाषा में नहीं है।

लेखक ने पुस्तक के पाठों को बहुत ही उचित ढंग से क्रमबद्ध किया है। एक के बाद एक पाठ पढ़ते जाने से स्वतः ही भाषा की जानकारी होती चली जाती है। इस पुस्तक में उर्दू भाषा के अक्षरों की पहचान, उनकी बदलती शक्लों की पहचान तथा जोड़कर शब्द बनाने की जानकारी इस सुन्दर तरीक़े से दी गई है कि पुस्तक का अध्ययन करने से उर्दू पढ़ना, समझना व लिखना बहुत ही शीघ्र आ जाएगा। इस कृति के लिए लेखक बधाई के पात्र हैं।

अन्त में, मैं इतना ही कहना चाहूँगा कि बाज़ार में उपलब्ध उर्दू सीखने की तमाम पुस्तकों की तुलना में यह पुस्तक उच्चतम कोटि की श्रेणी में आती है। यदि मैं यह कहूँ कि उर्दू सिखाने की ऐसी अच्छी पुस्तक इसके अलावा और कोई उपलब्ध है ही नहीं तो अतिश्योक्ति नहीं होगी।

दिल्ली
:·1·90
फोनः 2204458

आर· के· सबरवाल,
एम·एस·- सी·,
भूतपूर्व अध्यक्ष जीव विज्ञान विभाग,
जे·सी·एम·जे· कालिज, बिरलानगर,
विज्ञान, जीव विज्ञान, जन्तु विज्ञान,
वनस्पति विज्ञान और गृह विज्ञान
की 100 से अधिक
पुस्तकों के लेखक

हिन्दी से उर्दू सीखिए

यूँ तो हिन्दी माध्यम से उर्दू सिखाने वाली अनेक पुस्तकें उपलब्ध हैं परन्तु ऐसी पुस्तक की कमी थी जो वैज्ञानिक ढंग से हिन्दी भाषियों को सरलता से उर्दू सिखा सके। उर्दू लर्निंग कोर्स ने एक हद तक इस कमी को पूरा कर दिया है। प्रस्तुत पुस्तक में लेखक ने उर्दू अक्षरों और उनके बदले रूपों (शक्लों) की पहचान आसान तरीके से करायी है। उर्दू अक्षरों को जोड़कर शब्द बनाने की जानकारी भी स्पष्ट निर्देशों के साथ दी गयी है। पुस्तक की सहायता से पाठक उर्दू भाषा को लिखने और पढ़ने में शीघ्र ही कुशलता प्राप्त कर सकते हैं। इससे यह भी पता चलता है कि किन शब्दों में किन अक्षरों का प्रयोग किया जाता है। यह भी बताया गया कि उर्दू भाषा के कौन से अक्षर अपने बाद में आने वाले अक्षरों से जुड़जाते हैं। और कौन से नहीं जुड़ते। यह सब बातें स्पष्ट उदाहरणों द्वारा समझाने का प्रयास किया गया है।

इस पुस्तक की एक खूबी इसमें दी गयी उर्दू शब्दावली है जिसमें उर्दू भाषा के वे सभी शब्द दिए गए हैं जो हिन्दी भाषा के साथ प्रयुक्त किए जाते है। शब्दावली में उर्दू अल्फ़ाज़ का हिन्दी मे उच्चारण तथा उनके अर्थ भी दिये गये हैं। लेखक ने पाठों को उचित ढंग से सिलसिलेवार पेश किया है। एक हिन्दी भाषी विना अध्यापक की सहायता के इस पुस्तक से स्वतः उर्दू भाषा की जानकारी प्राप्त कर सकता है।

इस पुस्तक का मुख्य पृष्ठ और मुद्रण सुन्दर है। आशा है कि हिन्दी माध्यम से अपने घर पर ही बिना अध्यापक के उर्दू सीखने के इच्छुक व्यक्ति इस पुस्तक से लाभान्वित होंगे।

दैनिक "राष्ट्रीय सहारा" दिल्ली के 5.5.96 के अंक में प्रकाशित

विषय सूची

पाठ		पृष्ठ
•	पूर्ण उर्दू वर्णमाला	11
•	उर्दू अक्षरों की आवाज़ों के लिए प्रयोग होने वाले हिन्दी अक्षर	13
•	उर्दू के ४६ अक्षर	14
•	उर्दू के २१ अक्षरों के नाम	15
•	उर्दू के संयुक्त ११ अक्षर	17
•	उर्दू के शेष १४ अक्षर	18
•	अरबी तथा फ़ारसी वर्णों का विशेष अध्ययन	19
•	अक्षर पहचानने का अभ्यास	20
•	अक्षरों की बनावट	21
•	बिना बिन्दी वाले अक्षर	22
•	बिन्दी वाले अक्षर	22
•	उर्दू अक्षरों की लिखाई	24
•	लिखाई में पूरे तथा आधे अक्षर	25
•	इमला लिखने का तरीक़ा	26
•	पूरे तथा आधे अक्षर का प्रयोग अभ्यास	28
•	बड़े ख़ानदान वाले अक्षर	32
•	संयुक्त ख़ानदान वाले अक्षर	33
•	दो अक्षरी शब्द	35
•	तीन अक्षरी शब्द	37
•	चार अक्षरी शब्द	39

- पाँच अक्षरी शब्द 41
- ज़बर का प्रयोग 43
- ज़ज़्म का प्रयोग 44
- ज़ज़्म तथा ज़बर का अभ्यास 45
- मात्राओं के लिए उर्दू विकल्प 47
- 'अ' अलिफ़ का अभ्यास 48
- 'आ' 49
- हम्ज़ा 50
- 'इ' 52
- 'ई' 54
- 'उ' 56
- 'ऊ' 57
- ए' 58
- 'ऐ' 60
- 'ओ' 61
- 'औ' 62
- चन्द्र बिन्दु तथा बिन्दी 63
- हिन्दी के स्वर वर्ण और मात्राओं का उर्दू विकल्प 65
- तशदीद 66
- विशेष अध्ययन 68
- 'य' का विशेष अध्ययन 69
- 'ह' का विशेष अध्ययन 70
- मूक रहने वाले अक्षर 72

- 'झ' का अध्ययन 73
- पूरे तथा आधे अक्षर का पुनः अभ्यास 73
- अरबी और फ़ारसी अक्षरों से बनने वाले शब्दों का अभ्यास 75
- विराम चिन्ह 79
- दिनों के नाम 80
- अंग्रेज़ी महीने 80.
- हिन्दी महीने 81
- अरबी महीनों के नाम 81
- इमला 82
- उर्दू गिनती 88
- शब्दावली 89
- आसान फ़िक़्रे और जुम्ले 121

पूर्ण उर्दू वर्णमाला

नोटः उर्दू दायें से बायें पढ़ी और लिखी जाती है।

ش	ٹ	ت	پ	ب	ا
से	टे	ते	पे	बे	अलिफ़
ڈ	د	خ	ح	چ	ج
डाल	दाल	ख़े	हे	चे	जीम
س	ژ	ز	ڑ	ر	ذ
सीन	झ़े	ज़े	ड़े	रे	ज़ाल
ع	ظ	ط	ض	ص	ش
ऐन	ज़ो	तो	ज़ाद	साद	शीन
ل	گ	ک	ق	ف	غ
लाम	गाफ़	काफ़	क़ाफ़	फ़े	ग़ैन

ے	ی	ہ	و	ن	م
बड़ी ये	ये	छोटी हे	वाओ	नून	मीम

چھ	جھ	ٹھ	تھ	پھ	بھ
छ	झ	ठ	थ	फ	भ

گھ	کھ	ڑھ	ڈھ	دھ
घ	ख	ढ़	ढ	ध

उर्दू अक्षरों की आवाज़ों के लिए प्रयोग होने वाले हिन्दी अक्षर

ا	ب	پ	ت	ٹ	ث
अ	ब	प	त	ट	स
ج	چ	ح	خ	د	ڈ
ज	च	ह	ख़	द	ड
ذ	ر	ڑ	ز	ڈ	س
ज़	र	ड़	ज़	झ़	स
ش	ص	ض	ط	ظ	ع
श	स	ज़	त	ज़	अ़
غ	ف	ق	ک	گ	ل
ग़	फ़	क़	क	ग	ल
م	ن	و	ہ	ی	
म	न	व	ह	य	
بھ	پھ	تھ	ٹھ	جھ	چھ
भ	फ	थ	ठ	झ	छ
دھ	ڈھ	ڑھ	کھ	گھ	
घ	ढ	ढ़	ख	घ	

उर्दू के ४६ अक्षर

उर्दू वर्ण अपने असली रूप में कुल ३५ हैं।

उर्दू में हिन्दी की तरह भारी आवाज़ वाले अक्षर नहीं हैं। अतः उर्दू के १४ अक्षरों के आगे इस तरह की ھ दो आँखें लगा देने से हिन्दी के भारी आवाज़ वाले अक्षर बन जाते हैं। इस प्रकार उर्दू वर्णमाला ३५ से बढ़कर कुल ४६ अक्षरों की हो जाती है।

आपको उर्दू वर्णमाला तीन चरणों में सिखाई जायेगी।

पहले चरण में उर्दू के अक्षरों में से कुल 21 अक्षरों को चुना गया है।

दूसरे चरण में उर्दू के संयुक्त अक्षर अर्थात हिन्दी के भारी आवाज़ वाले ११ अक्षरों को सिखाया जायेगा।

तीसरे चरण में उर्दू वर्णमाला के शेष १४ अक्षरों का अभ्यास कराया जायेगा। यह १४ अक्षर वास्तव में अरबी तथा फ़ारसी भाषा के हैं।

उर्दू के २१ अक्षरों के नाम

नोटः- अंग्रेजी की तरह उर्दू अक्षरों के नाम हैं।

आपकी जानकारी के लिए अक्षरों के नाम लिखे जा रहे हैं।

ط	ت	پ	ب	ا
टे	ते	पे	बे	अलिफ़
ر	ڈ	د	چ	ج
रे	डाल	दाल	चे	जीम
گ	ک	ش	س	ڑ
गाफ़	काफ़	शीन	सीन	ड़े
ہ	و	ن	م	ل
छोटी हे	वाओ	नून	मीम	लाम
		ی		
		ये		

नोटः- इन उर्दू अक्षरों को हिन्दी की तरह पढ़िये।

ٹ	ت	پ	ب	ا
ट	त	प	ब	अ
ڑ	ڈ	د	چ	ج
र	ड	द	च	ज
گ	ک	ش	س	ڑ
ग	क	श	स	ड़
ہ	و	ن	م	ل
ह	व	न	म	ल
		ی		
		य		

उर्दू के संयुक्त ११ अक्षर

उर्दू में भारी आवाज़ वाले अक्षर अलग से नहीं हैं। सीखे हुए अक्षर में ऐसी (ھ) दो आँखें (छोटी हे की दूसरी, अरबी शक्ल- दो चश्मी हे (ھ) लगाने से यह अक्षर बन जाते हैं। इन्हें हिन्दी के अक्षर की तरह पढ़िये।

ढ ڈھ = ھ + ڈ	फ پھ = ھ + پ
ढ़ ڑھ = ھ + ڑ	थ تھ = ھ + ت
ख کھ = ھ + ک	ठ ٹھ = ھ + ٹ
घ گھ = ھ + گ	झ جھ = ھ + ج
भ بھ = ھ + ب	छ چھ = ھ + چ

ध دھ = ھ + د

उर्दू के शेष १४ अक्षर

उर्दू वर्णमाला में निम्नलिखित १४ अक्षर अरबी तथा फ़ारसी भाषा से लिये गये हैं। इन अक्षरों से बने हुए शब्द भी अरबी तथा फ़ारसी के शब्द होते हैं।

ز	ذ	خ	ح	ش
ज़े	ज़ाल	ख़े	बड़ी हे	से
ज़	ज़	ख़	ह	स
ظ	ط	ض	ص	ژ
ज़ो	तो	ज़ाद	साद	झे
ज़	त	ज़	स	झ

ق	ف	غ	ع
क़ाफ़	फ़े	ग़ैन	ऐन
क़	फ़	ग़	अ़

उर्दू अक्षर के नीचे अक्षर का नाम, फिर उसके स्थान पर हिन्दी में प्रयोग होने वाला वर्ण लिखा गया है।

अरबी तथा फ़ारसी वर्णों का विशेष अध्ययन

1· वे अक्षर जिनके रूप भिन्न हैं किन्तु आवाज़ एक जैसी है, जैसेः-

		ظ	ض	ز	ذ
		ज़	ज़	ज़	ज़
ح	ه		ص	ش	س
ह	ह		स	स	स
ع	ا			ط	ت
अ़	अ			त	त

2· वे अक्षर जिनके रूप मिलते जुलते हैं किन्तु आवाज़ भिन्न है। जैसेः-

ق	ف	غ	ع
क़	फ़	ग़	अ
ز	ر	ذ	د
ज़	र	ज़	द

अक्षर पहचानने का अभ्यास

ا

ب پ ت ٹ ث

ج چ ح خ

د ڈ ذ

ر ڑ ز ژ

س ش ص ض

ط ظ ع غ

ف ق ک گ

ل م ن و

ہ ی

بھ پھ تھ ٹھ

جھ چھ دھ ڈھ ڑھ

کھ گھ

अक्षरों की बनावट

लिखने का अभ्यास करने से पूर्व अक्षरों की बनावट आदि ध्यान से देखियेः-

- खड़े अक्षरः-

ا م ط ظ

- लेटे अक्षरः-

ب پ ت ٹ ث ف ک گ ے

- आधे खड़े आधे लेटे अक्षरः-

د ڈ ذ ر ڑ ز ژ و

- बायीं ओर से आरम्भ होकर दायीं ओर मुड़ने वाले अक्षरः-

ج چ ح خ ع غ

- दायीं ओर से शुरू होकर बायीं ओर मुड़ने वाले अक्षरः-

س ش ص ض ق ل ن ی

बिना बिन्दी वाले अक्षर

ا ح د ر س ص ط ع

ک گ ل م و ہ

ی ے

बिन्दी वाले अक्षर

1· अक्षर जिनके ऊपर एक बिन्दी होती है।

خ ذ ز ض ظ غ ف

2· अक्षर जिनके ऊपर दो बिन्दियाँ होती हैं।

ت ق

3· अक्षर जिनके ऊपर तीन बिन्दियाँ होती हैं।

ث ژ ش

4· अक्षर जिसके नीचे एक तथा तीन बिन्दियाँ होती हैं।

ب پ

5· अक्षर जिनके पेट में एक तथा तीन बिन्दियाँ होती हैं।

ج ن چ

6· अक्षर जो किसी शब्द के अंत में प्रयोग होने पर बिना बिन्दी के होते हैं--किन्तु जब किसी दूसरे अक्षर से मिल कर प्रयोग होते हैं तो इनके "विशेष चिन्ह" (ـیـ) के नीचे दो बिन्दियाँ होती हैं।

ی ـیـ ے ـیـ

7· अक्षर जिन पर छोटी सी 'तोॅ' (ط) होती है।

ٹ ڈ ڑ

8· अक्षर जिन पर एक या दो मरकज़ (؍؍ ؍) होते हैं।

ک گ

उर्दू अक्षरों की लिखाई

निम्नलिखित अक्षरों को ठीक लकीर के ऊपर लिखियेः-

ا - ط - ظ - - - - - - - - - - - - -

ب - پ - ت - ٹ - ث - ف - - - - - -

ک - گ - ے - - - - - - - - - -

निम्नलिखित अक्षरों को आधा लकीर के ऊपर तथा आधा लकीर के नीचे लिखियेः-

د - ڈ - ذ - ر - ڑ - ز - ژ - و - - - - - - - -

ج - چ - ح - خ - ع - غ - - - - - - -

س ش - ص - ض - ا - ل - ن - م - - - -

ق - ہ - ی - - - - - - - - - -

लिखाई में पूरे तथा आधे अक्षर

(क) यह बात ध्यान में रखिये कि उर्दू अक्षरों के मोटे तौर पर दो रूप हैं।

पहला "पूरा रूप" तथा दूसरा आधा या सिरा किन्तु दोनों की आवाज़ पूरी मानी गयी है। बारह अक्षरों को छोड़ कर जो पूरे लिखे जाते हैं, शेष सभी अक्षरों के सिरे लिखे जाते हैं, चाहे शब्द के आरम्भ में आयें या बीच में और यह अक्षर मिला मिला कर लिखे जाते हैं।

लेकिन शब्द के अंत में कोई भी अक्षर आये तो वह पूरा ही लिखा जाता है।

(ख) अक्षर का सिरा या आधा अक्षर या चिन्ह जब किसी दूसरे अक्षर से मिलता है तो कभी-कभी इसका सिरा दो या दो से अधिक आकारों में से किसी एक आकार का बन जाता है। मगर इस विवरण में जाने की आवश्यकता नहीं है।

उर्दू लिखाई की बनावट ऐसी है कि जब आप मिला कर लिखेंगे तो जोड़ स्वयं आपके सामने आ जायेगा। आपको केवल शब्द लिखते समय उस पर ध्यान कर लेना ही काफ़ी है।

इमला लिखने का तरीक़ा

उर्दू श्रुत लेखन में दो प्रश्न हमारे सामने आते हैं:-

1· किसी शब्द के लिखने में कौन सा अक्षर पूरा तथा कौन सा अक्षर आधा लिखा जाये?

2· कौन सा अक्षर अलग-अलग तथा कौन सा अक्षर मिला मिला कर लिखा जाये?

इसके लिए एक फार्मूला बनाया है। वह यह कि अक्षरों को तीन ख़ानदानों में बांट दिया है।

बड़ा ख़ानदान, छोटा ख़ानदान, संयुक्त ख़ानदान

1· **बड़ा ख़ानदान-** इस परिवार के अंर्तगत वे अक्षर आते हैं जो शब्द में पूरे-पूरे लिखे जाते हैं क्योंकि इनके दो रूप नहीं हैं। वे अक्षर ये हैं--

ا ر ڑ ز ژ ط ظ ع

ये अक्षर जब किसी शब्द के आरम्भ में आते हैं तो ये पूरे तथा अलग लिखे जाते हैं और इनकी शक्ल में कोई परिवर्तन नहीं होता परन्तु इनमें से ر ڑ ژ अक्षर जब बीच में किसी दूसरे अक्षर के साथ मिलाकर लिखे जाते हैं तो इनकी शक्ल में परिवर्तन आ जाता है।

जैसे-

अदद   عدد = د + د + ع

दलदल   دلدل = ل + د + ل + د

ا एक ऐसा अक्षर है जब कोई शब्द उससे आरम्भ होता है तो वह हमेशा पूरा तथा अलग लिखा जाता है, वरन् मिला कर लिखा जाता है।

2· छोटा ख़ानदान- इस परिवार के अंर्तगत वे अक्षर आते हैं जो शब्द के लिखने में आधे रूप या सिरे या चिन्ह लिखे जाते हैं। दूसरी बात यह है कि ये पूर्ण रूप से मिला-मिला कर लिखे जाते हैं।

नोटः यदि ये अक्षर अंत में आयें तो पूरे ही लिखे जाते हैं।

ب پ ت ٹ ث ج چ ح خ

س ش ص ض ع غ ف ق ک

گ ل م ن ہ ی ے

3· संयुक्त ख़ानदान- इस परिवार के अंतर्गत हिन्दी के भारी आवाज़ वाले वे अक्षर आते हैं जो उर्दू के मूल अक्षर में दो आँखें (दो चश्मी हे ھ) लगाने से बनते हैं।

بھ پھ تھ ٹھ چھ جھ کھ گھ دھ ڈھ

पूरे तथा आधे अक्षर का
प्रयोग अभ्यास

(क) छोटे ख़ानदान के हर एक अक्षर का "पूरा रूप" "आधा रूप" या "सिरा" या "चिन्ह" नीचे लिखा जा रहा है।

आप सब से पहले पूरा अक्षर पढ़िये, फिर उसी के सामने उसकी एक या दो या तीन आधी शक्लें या सिरे या चिन्ह ध्यान से दखिये। फिर इन आधे अक्षरों या सिरों का प्रयोग शब्दों में देखियेः-

तौबा توبہ अकबर اکبر बच بچ ‍بـ ـب ـبـ ـبـ بـ ب

कापी کاپی कानपुर کانپور पुष्पा پُشپا ‍پـ ـپ ـپـ ـپـ پـ پ

आती آتی अक्तूबर اکتوبر तीतर تیتر ‍تـ ـت ـتـ ـتـ تـ ت

काटी کاٹی टमाटर ٹماٹر टमटम ٹمٹم ‍ٹـ ـٹ ـٹـ ـٹـ ٹـ ٹ

मिस्ल مِثل समर ثمر निसार نثار ‍ثـ ـث ـثـ ـثـ ثـ ث

मस्जिद बिजली जब

ج جـ جا جب بجلی مسجِد

चार अचकन चल

چ چـ ـچـ چل اَچکن چار

हाल लिहाफ़ हक़

ح حـ ـحـ حق لحاف حال

ख़ुदा तख़्त ख़त

خ خـ ـخـ خط تخت خُدا

हसन बर्सी सच

س سـ ـسـ سچ برسی حسن

शीशा रशीद शक

ش شـ ـشـ شک رشید شیشہ

क़िस्सा नासिर साफ़

ص صـ ـصـ صاف ناصِر قِصّہ

राज़ी	मज़बूत	ज़िद	
راضی	مضبُوط	ضد	ض ضـ ـضـ
मना	सईद	आलिम	
منع	سعید	عالِم	ع عـ ـعـ ـع
बालिग़	बग़ल	ग़ुल	
بالغ	بغل	غُل	غ غـ ـغـ ـغ
शरीफ़ा	सफ़र	फ़न	
شریفہ	سفر	فن	ف فـ ـفـ
चाक़ू	फ़क़त	क़लम	
چاقو	فقط	قلم	ق قـ ـقـ
चक्की	वकील	कब	
چکّی	وکیل	کب	ک کـ ـکـ
चरागाह	चिमगादड़	गप	
چراگاہ	چمگادڑ	گپ	گ گـ ـگـ

केला सलीम लग

ل ـل لگ سلیم کیلا

सुर्मा ज़मीन मत

م مـ ـمـ مت زمین سُرمہ

पानी नस क़ानून

ن نـ ـنـ ـنـ قانون نس پانی

शहर हम हल

ہ ھـ ـھـ ہل ہم شہر

नः वजह यह

ـھـ ـہ یہ وجہ نہ

खाया क्यों यही

ی یـ ـیـ ـیـ یہی کیوں کھایا

देर केले सेब

ے ـیـ یہ سیب کیلے دیر

बड़े ख़ानदान वाले अक्षर

निश्चित रूप से बड़े ख़ानदान वाले १२ अक्षरों का प्रयोग "अक्षर" के रूप में होता है। किन्तु लिखने के बाद इनमें से अक्षरों की थोड़ी सी शक्त अवश्य बदल जाती है।

बदन

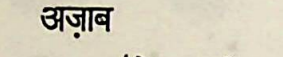

निडर

अज़ाब

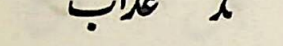

बुरा

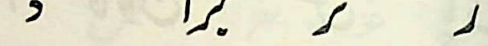

बड़ा

कनीज़

मिज़गाँ

क़तरा

मतलब

तोता

ज़ाहिर

नज़र

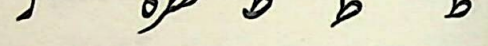

मनज़ूर

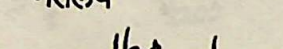

(ग) संयुक्त ख़ानदान वाले अक्षर

गोभी گوبھی भाई بھائی بھ = ھ + ب

फुलका پھُلکا फल پھل پھ = ھ + پ

साथी ساتھی थोड़ा تھوڑا تھ = ھ + ت

ठेला ٹھیلا मिठाई مٹھائی ٹھ = ھ + ٹ

झालर جھالر झंडी جھنڈی جھ = ھ + ج

+ ھ = چھ چھتری छतरी گچھا गुच्छा

+ ھ = کھ کھیر खीर چکھ चख

+ ھ = گھ گھر घर پن گھٹ पनघट

+ ھ = دھ اِدھر इधर دودھ दूध

+ ھ = ڈھ ڈھول ढोल ڈھال ढाल

+ ھ = ڑھ سیڑھی सीढ़ी چڑھ चढ़

दो अक्षरी शब्द

अब	اب	=	ب	+	ا
बद	بد	=	د	+	ب
नस	نس	=	س	+	ن
पल	پل	=	ل	+	پ
पर	پر	=	ر	+	پ
टन	ٹن	=	ن	+	ٹ
टब	ٹب	=	ب	+	ٹ
जब	جب	=	ب	+	ج
जज	جج	=	ج	+	ج
चट	چٹ	=	ٹ	+	چ
चल	چل	=	ل	+	چ
दस	دس	=	س	+	د
दम	دم	=	م	+	د
डस	ڈس	=	س	+	ڈ

डर	ڈر	=	ر	+	ڈ
रब	رب	=	ب	+	ر
रस	رس	=	س	+	ر
सन	سن	=	ن	+	س
सर	سر	=	ر	+	س
शक	شک	=	ک	+	ش
कब	کب	=	ب	+	ک
कल	کل	=	ل	+	ک
गप	گپ	=	پ	+	گ
लब	لب	=	ب	+	ل
लत	لت	=	ت	+	ل
मत	مت	=	ت	+	م
नस	نس	=	س	+	ن
नग	نگ	=	گ	+	ن
ह़ट	ہٹ	=	ٹ	+	ہ

हर ہ + ر = ہر

यक ی + ک = یک

धम دھ + م = دھم

भर بھ + ر = بھر

ठन ٹھ + ن = ٹھن

झर جھ + ر = جھر

तीन अक्षरी शब्द

अदब ا + د + ب = اَدب

दर्द د + ر + د = دَرد

वर्म و + ر + م = ورم

गर्म گ + ر + م = گرم

मगर م + گ + ر = مگر

ن + م + ک = نمک	नमक
ل + ف + ظ = لفظ	लफ़्ज़
د + و + ا = دوا	दवा
آ + د + م = آدم	आदम
گ + ا + ل = گال	गाल
ج + ا + ٹ = جاٹ	जाट
ب + ا + ت = بات	बात
م + ا + ن = مان	मान
ر + ا + ت = رات	रात
ل + ا + ت = لات	लात
ی + ا + د = یاد	याद

चार अक्षरी शब्द

चहार	چہار	=	ر	ا	ہ	چ
हर्फ़ी	حرفی	=	ی	ف	ر	ح
बस्ता	بستہ	=	ہ	ت	س	ب
बिस्तर	بستر	=	ر	ت	س	ب
चौखट	چوکھٹ	=	ٹ	کھ	و	چ
मस्जिद	مسجد	=	د	ج	س	م
मन्दिर	مندر	=	ر	د	ن	م
मकतब	مکتب	=	ب	ت	ک	م
तख़्ती	تختی	=	ی	ت	خ	ت
क़तरा	قطرہ	=	ہ	ر	ط	ق
अजगर	اجگر	=	ر	گ	ج	ا
सख़्ती	سختی	=	ی	ت	خ	س
मख़मल	مخمل	=	ل	م	خ	م
अन्दर	اندر	=	ر	د	ن	ا

बाहर	باہر	=	ر	ہ	ا	ب
शर्बत	شربت	=	ت	ب	ر	ش
जाना	جانا	=	ا	ن	ا	ج
बिजली	بجلی	=	ی	ل	ج	ب
मुश्किल	مشکل	=	ل	ک	ش	م
कमरा	کمرہ	=	ہ	ر	م	ک
दफ़्तर	دفتر	=	ر	ت	ف	د
सूरज	سورج	=	ج	ر	و	س
ख़तरा	خطرہ	=	ہ	ر	ط	خ
मतलब	مطلب	=	ب	ل	ط	م
मुंशी	مُنشی	=	ی	ش	ن	م
शंकर	شنکر	=	ر	ک	ن	ش
रस्ता	رستہ	=	ہ	ت	س	ر
मुर्ग़ा	مُرغا	=	ا	غ	ر	م
बुल बुल	بُلبل	=	ل	ب	ل	ب

बकरी	بکری	=	ب ک ر ی
केला	کیلا	=	ک ے ل ا
हाज़िर	حاضر	=	ح ا ض ر
गुलाब	گلاب	=	گ ل ا ب

पाँच अक्षरी शब्द

बरसात	برسات	=	ب ر س ا ت
कश्मीर	کشمیر	=	ک ش م ی ر
तक़दीर	تقدیر	=	ت ق د ی ر
तजवीज़	تجویز	=	ت ج و ی ز
मुनासिब	مناسب	=	م ن ا س ب

ش ہ ا د ت = شہادت शहादत

ا ر ا د ہ = ارادہ इरादा

م ص ی ب ت = مصیبت मुसीबत

غ ن ی م ت = غنیمت ग़नीमत

ش ک ا ر ی = شکاری शिकारी

ت ح ر ی ر = تحریر तहरीर

م س ا ف ر = مسافر मुसाफ़िर

ا ج ا ز ت = اجازت इजाज़त

ع ب ا د ت = عبادت इबादत

ز ی ا د ہ = زیادہ ज़ियादा

ح م ا ق ت = حماقت हिमाक़त

ن ص ی ح ت = نصیحت नसीहत

ज़बर (ـَ) का प्रयोग

हिन्दी में अ ब ज पढ़ा जाता है। किन्तु उर्दू में इसके स्थान पर अलिफ़ (ا) बे (ب) जीम (ج) कहते हैं। अलिफ़, बे, जीम को अ ब ज बनाने के लिए आपको इन पर ज़बर (ـَ) लगाना पड़ेगा। ज़बर को "अ" या इसकी मात्रा ("ा") समझना ग़लत है। क्योंकि "अ" या इसकी मात्राा के लिए अलिफ़ (ا) का प्रयोग होता है।

अ	ब	=	अब	اَبْ	=	ب	ا
र	ब	=	रब	رَبْ	=	ب	ر
द	स	=	दस	دَسْ	=	س	د
र	स	=	रस	رَسْ	=	س	ر
ड	र	=	डर	ڈَرْ	=	ر	ڈ
द	र	=	दर	دَرْ	=	ر	د
र	ट	=	रट	رَٹْ	=	ٹ	ر
द	ब	=	दब	دَبْ	=	ب	د
ड	ट	=	डट	ڈَٹْ	=	ٹ	ڈ
द	म	=	दम	دَمْ	=	م	د

नोटः- ज़बर सदैव अक्षर के ऊपर लगाया जाता है।

ش ہ ا د ت = شہادت शहादत

ا ر ا د ہ = ارادہ इरादा

م ص ی ب ت = مصیبت मुसीबत

غ ن ی م ت = غنیمت ग़नीमत

ش ک ا ر ی = شکاری शिकारी

ت ح ر ی ر = تحریر तहरीर

م س ا ف ر = مسافر मुसाफ़िर

ا ج ا ز ت = اجازت इजाज़त

ع ب ا د ت = عبادت इबादत

ز ی ا د ہ = زیادہ ज़ियादा

ح م ا ق ت = حماقت हिमाक़त

ن ص ی ح ت = نصیحت नसीहत

ज़बर (ـَـ) का प्रयोग

हिन्दी में अ ब ज पढ़ा जाता है। किन्तु उर्दू में इसके स्थान पर अलिफ़ (ا) बे (ب) जीम (ج) कहते हैं। अलिफ़, बे, जीम को अ ब ज बनाने के लिए आपको इन पर ज़बर (ـَـ) लगाना पड़ेगा। ज़बर को "अ" या इसकी मात्रा ("ा") समझना ग़लत है। क्योंकि "अ" या इसकी मात्रा के लिए अलिफ़ (ا) का प्रयोग होता है।

अ	ब	=	अब	اَبْ	=	ب	ا
र	ब	=	रब	رَبْ	=	ب	ر
द	स	=	दस	دَسْ	=	س	د
र	स	=	रस	رَسْ	=	س	ر
ड	र	=	डर	ڈَرْ	=	ر	ڈ
द	र	=	दर	دَرْ	=	ر	د
र	ट	=	रट	رَبْٹ	=	بٹ	ر
द	ब	=	दब	دَبْ	=	ب	د
ड	ट	=	डट	ڈَٹْ	=	ٹ	ڈ
द	म	=	दम	دَمْ	=	م	د

नोटः- ज़बर सदैव अक्षर के ऊपर लगाया जाता है।

ش ہ ا د ت = شہادت शहादत

ا ر ا د ہ = ارادہ इरादा

م ص ی ب ت = مصیبت मुसीबत

غ ن ی م ت = غنیمت ग़नीमत

ش ک ا ر ی = شکاری शिकारी

ت ح ر ی ر = تحریر तहरीर

م س ا ف ر = مسافر मुसाफ़िर

ا ج ا ز ت = اجازت इजाज़त

ع ب ا د ت = عبادت इबादत

ز ی ا د ہ = زیادہ ज़ियादा

ح م ا ق ت = حماقت हिमाक़त

ن ص ی ح ت = نصیحت नसीहत

ज़बर (ـَـ) का प्रयोग

हिन्दी में अ ब ज पढ़ा जाता है। किन्तु उर्दू में इसके स्थान पर अलिफ़ (ا) बे (ب) जीम (ج) कहते हैं। अलिफ़, बे, जीम को अ ब ज बनाने के लिए आपको इन पर ज़बर (ـَـ) लगाना पड़ेगा। ज़बर को "अ" या इसकी मात्रा ("ा") समझना ग़लत है। क्योंकि "अ" या इसकी मात्राा के लिए अलिफ़ (ا) का प्रयोग होता है।

अ	ब	=	अब	اَبْ	=	ب	ا
र	ब	=	रब	رَبْ	=	ب	ر
द	स	=	दस	دَسْ	=	س	د
र	स	=	रस	رَسْ	=	س	ر
ड	र	=	डर	ڈَرْ	=	ر	ڈ
द	र	=	दर	دَرْ	=	ر	د
र	ट	=	रट	رَٹْ	=	ٹ	ر
द	ब	=	दब	دَبْ	=	ب	د
ड	ट	=	डट	ڈَٹْ	=	ٹ	ڈ
द	म	=	दम	دَمْ	=	م	د

नोटः- ज़बर सदैव अक्षर के ऊपर लगाया जाता है।

जज़्म (ْ) का प्रयोग

(क) जज़्म एक अक्षर को दसरे अक्षर से मिलाने के लिए प्रयोग किया जाता है।(ख) जज़्म जिस अक्षर पर लगाते हैं वह साकिन अर्थात स्थिर हो जाता है। हिन्दी में इसके स्थान पर आधे अक्षर या हलंत का प्रयोग होता है।

अब्	=	अब	اَبْ
रब्	=	रब	رَبْ
दस्	=	दस	دَسْ
रस्	=	रस	رَسْ
डर्	=	डर	ڈَر
रट्	=	रट	رَٹْ
रह्	=	रह	رَہ
दब्	=	दब	دَبْ
डट्	=	डट	ڈَٹ
दम्	=	दम	دَمْ

नोटः- किन्तु आसानी के लिए हिन्दी में हलंत का प्रयोग नहीं किया जाता है।
जज़्म को जज़म भी कहते हैं।

जज़्म तथा ज़बर का अभ्यास

जम	جَمْ	तब	تَبْ	बच	بَچْ	अब	اَبْ
चट	چَٹْ	तर	تَرْ	बद	بَدْ	अड़	اَڑْ
चर	چَرْ	तन	تَنْ	बर	بَرْ	दब	دَبْ
चल	چَلْ	टब	ٹَبْ	बड़	بَڑْ	दर	دَرْ
सब	سَبْ	टल	ٹَلْ	बस	بَسْ	दस	دَسْ
सच	سَچْ	टन	ٹَنْ	बम	بَمْ	दम	دَمْ
गज़	گَزْ	जब	جَبْ	पड़	پَڑْ	दल	دَلْ
मर	مَرْ	जज	جَجْ	पर	پَرْ	डर	ڈَرْ
नग	نَگْ	जल	جَلْ	फल	پھَلْ	डस	ڈَسْ
मन	مَنْ	हल	ہَلْ	नट	نَٹْ	रब	رَبْ
हम	ہَمْ	नस	نَسْ	नम	نَمْ	रट	رَٹْ

नीचे तीन अक्षरी शब्द दिये जा रहे हैं। पहले अक्षर पर ज़बर, दूसरे पर जज़्म और तीसरा बिना किसी ज़बर तथा जज़्म का अक्षर है।

वह इसलिए कि यह नियम है कि यदि शब्द का अन्तिम अक्षर "पूरा अक्षर" है तो वह जज़्म लगा हुआ अर्थात हलंत (क्) पढ़ा जायेगा।

इस प्रकार हिन्दी व्याकरण के अनुसार जज़्म लगा हुआ उर्दू अक्षर आधा पढ़ा जायेगा। बिना जज़्म और ज़बर का अंतिम अक्षर भी हमेशा हलंत पढ़ा जायेगा।

गर्म	گَرْم	तख़्त	تَخْت
सर्द	سَرْد	सख़्त	سَخْت
दर्द	دَرْد	वक़्त	وَقْت
गर्द	گَرْد	बन्द	بَنْد
नर्म	نَرْم	जज़्म	جَزْم

मात्राओं के लिए उर्दू विकल्प

आ-ा = ا

आ की मात्रा (ा) के स्थान पर उर्दू में अलिफ़ (ا) का प्रयोग होता है।

र ा ज	= राज	راج	=	ج ا ر	
ब ा	= बा	با	=	ب ا	
ज ा	= जा	جا	=	ج ا	
बा जा	= बाजा	باجا	=	با جا	
बाल		بال		दादा	دادا
नाक		ناک		दारा	دارا
कान		کان		दाल	دال
हाथ		ہاتھ		दाम	دام
हार		ہار		राह	راہ
बात		بات		वाह	واہ
नाच		ناچ		रात	رات
काम		کام		वार	وار

नीचे तीन अक्षरी शब्द दिये जा रहे हैं। पहले अक्षर पर ज़बर, दूसरे पर जज़्म और तीसरा बिना किसी ज़बर तथा जज़्म का अक्षर है।

वह इसलिए कि यह नियम है कि यदि शब्द का अन्तिम अक्षर "पूरा अक्षर" है तो वह जज़्म लगा हुआ अर्थात हलंत (क्) पढ़ा जायेगा।

इस प्रकार हिन्दी व्याकरण के अनुसार जज़्म लगा हुआ उर्दू अक्षर आधा पढ़ा जायेगा। बिना जज़्म और ज़बर का अंतिम अक्षर भी हमेशा हलंत पढ़ा जायेगा।

गर्म	گَرْم	तख़्त	تَخْت
सर्द	سَرْد	सख़्त	سَخْت
दर्द	دَرْد	वक़्त	وَقْت
गर्द	گَرْد	बन्द	بَنْد
नर्म	نَرْم	जज़्म	جَزْم

मात्राओं के लिए उर्दू विकल्प

आ-ा = ا

आ की मात्रा (ा) के स्थान पर उर्दू में अलिफ़ (ا) का प्रयोग होता है।

र ा ज	= राज	راج	=	ج ا ر	
ब ा	= बा	با	=	ا ب	
ज ा	= जा	جا	=	ا ج	
बा जा	= बाजा	باجا	=	جا با	
बाल		بال	दादा		دادا
नाक		ناک	दारा		دارا
कान		کان	दाल		دال
हाथ		ہاتھ	दाम		دام
हार		ہار	राह		راہ
बात		بات	वाह		واہ
नाच		ناچ	रात		رات
काम		کام	वार		وار

आ की मात्रा (T) =
अलिफ़ (ا) का अभ्यास

با پا تا ٹا ثا جا چا خا دا ڈا را ڑا زا
سا شا صا طا عا فا قا کا گا لا ما نا ہا یا
بابا باجا باڑا تارا تاڑا تالا تاگا تایا ٹاپا
ٹالا جاڑا جاگا جانا چاچا چارا داغا دانا
سایا کاتا کانا کاٹا کالا گارا گانا گایا لایا

دارا آیا	باجا لایا	گانا گایا
شاما آیا	تالا لایا	تاگا لایا
تارا ناچا	چاچا جاگا	بابا لایا
ڈاکا ڈالا	بابا ہارا	تاگا لانا
دارا مالا لایا	آرا لایا	گارا لانا

आ = آ

उर्दू में अलिफ़ अक्षर पर ऐसा " ~ " निशान लगा देने से इसकी आवाज़ दो अलिफ़ के बराबर या "आ" के बराबर हो जाती है। इस निशान " ~ " को "मद" कहते हैं। इसे आप "अलिफ़मद" कह सकते हैं। मद केवल अलिफ़ पर लगता है।

आ= آ

آ = ا + ا

आज	आम	आग	आप	आन
آج	آم	آگ	آپ	آن

आपा	آپا	आदाब	آداب
आया	آیا	आराम	آرام
आटा	آٹا	आलू	آلو
आना	آنا	आता	آتا
आजा	آجا	आरा	آرا
आलू	آلو	आदम	آدم
आँख	آنکھ	आस	آس
आसमान	آسمان	आकर	آکر
आवाज़	آواز	आलाम	آلام

हम्ज़ा = ٔ ء

(क) यदि दो अलिफ़ (ا) एक साथ आयें तो दूसरे अलिफ़ (ا) के स्थान पर हम्ज़ा लगाते हैं। जैसेः-

آ + او = آؤ   आओ

آ + ای = آئی   आई

آ + ای + ے = آیئے   आइए

آؤ   جاؤ   لاؤ   پاؤ   بناؤ   کھاؤ

آئی   پائی   لائی   کھائی   مائی   ٹائی

آئے   جائے   لائے   پائے   کھائے   چائے

آیئے   جایئے   لایئے   کھایئے   بنایئے   گایئے

(ख) कभी-कभी केवल एक अलिफ़ (ا) के स्थान पर भी हम्ज़ा (ء) का प्रयोग होता है। जैसेः-

سو + ای = سوئی   کو + ای = کوئی

سو + اے = سوئے   ہو + اے = ہوئے

سو + ای = سوئیے   ہو + ای + اے = ہوئیے

جا + او + ں = جاؤں

جا + اے + ں = جائیں

کھا + او + ں = کھاؤں

کھا + اے + ں = کھائیں

جاؤں کھاؤں جائیں کھائیں سوئیں پئیں

(ग) कभी-कभी हम्ज़ा "य" "इ" अथवा "ए" की आवाज़ देता है। जैसेः-

राइज	رائج	अ़जाइब	عجائب
ख़ाइफ़	خائف	नाएब	نائب
साइल	سائل	फ़ायदा	فائدہ
माइल	مائل	दायरा	دائرہ

इ-ि = ـِ

उर्दू में "ि" की मात्रा के स्थान पर ज़ेर (ـِ) का प्रयोग होता है। ज़ेर (ـِ) सदैव अक्षर के नीचे लगाते हैं। जैसे

ٹِ	تِ		پِ	بِ	اِ
टि	ति		पि	बि	इ
ڈِ	دِ		خِ	چِ	جِ
डि	दि		ख़ि	चि	जि
شِ	سِ		زِ	ڑِ	رِ
शि	सि		ज़ि	ढ़ि	रि
گِ	کِ		قِ	فِ	غِ
गि	कि		क़ि	फ़ि	ग़ि
یِ	ہِ	وِ	نِ	مِ	لِ
यि	हि	वि	नि	मि	लि

दि न = दिन   دِ ن = دِنْ

दि ल = दिल   دِ ل = دِل

इ "ि" (ـِ) का अभ्यास

इ- "ि" की मात्रा के साथ-साथ जज़्म का भी अभ्यास कीजिये:

बिक	بِکْ	तिल	تِلْ	सिर	سِرْ
बिल	بِلْ	जिस	جِسْ	सिल	سِلْ
बिन	بِنْ	चित	چِتْ	किस	کِسْ
पित	پِتْ	चिड़	چِڑْ	किन	کِنْ
पिट	پِٹْ	चिक	چِکْ	मिट	مِٹْ
पिस	پِسْ	गिन	گِنْ	मिल	مِلْ
जिन	جِنْ	गिर	گِرْ	हिल	ہِلْ
निब	نِبْ	ज़िद	ضِدْ	बिल	بِلْ
पिन	پِنْ	दिल	دِلْ	दिक़	دِقْ
इन	اِنْ	दिन	دِنْ	इस	اِسْ

ई-ी = ی ۑ

उर्दू में ई की मात्रा के स्थान पर "ये" (ی) और इसक चिन्ह (ۑ) प्रयोग किया जाता है।

पूरा रूप शब्द के अंत में लिखते हैं। जैसे ी = ی

ी	दी	की	کی	دی	ی
जी	घी	टी	ٹی	گھی	جی

दाढ़ी	داڑھی	पानी	پانی
सर्दी	سردی	कापी	کاپی
आरी	آری	साथी	ساتھی
गाड़ी	گاڑی	बीबी	بی بی
शाही	شاہی	काशी	کاشی
नामी	نامی	बर्फ़ी	برفی
नाची	ناچی	हाथी	ہاتھی
बर्सी	برسی	साथी	ساتھی
रानी	رانی	चर्खी	چرخی

आधा रूप जो वास्तव में चिन्ह है, शब्द के बीच में लिखते हैं। जैसेः

पीर	پیر	तीर	تیر
चील	چیل	खीर	کھیر
रील	ریل	मील	میل
नीला	نیلا	नीचा	نیچا
सलीम	سلیم	अमीर	امیر
ज़मीन	زمین	शीशी	شیشی
रशीद	رشید	तीस	تیس
नसीम	نسیم	टीला	ٹیلا
फ़क़ीर	فقیر	जीता	جیتا
लकीर	لکیر	दीन	دین
फ़ीस	فیس	रीछ	ریچھ
वकील	وکیل	ज़ीन	زین
गीत	گیت	सीख	سیکھ
	मीठा	میٹھا	

उ - ु = ُ

उर्दू में उ की मात्रा के स्थान पर पेश (ُ) का प्रयोग होता है। पेश हमेशा अक्षर के ऊपर लगाते हैं। जैसेः

اُ	بُ	جُ	دُ	سُ	مُ	کُ
उ	बु	जु	दु	सु	मु	कु

رُک	रुक	پُل	पुल
سُدھ	सुध	گُڑ	गुड़
سُم	सुम	گُل	गुल
سُن	सुन	گُم	गुम
گُل	गुल	کھُرپا	खुर्पा
اُس	उस	خُرما	खुर्मा
اُڑ	उड़	کُرتا	कुर्ता
اُگ	उग	مُرغا	मुर्ग़ा
بُت	बुत	سَچ مُچ	सचमुच
بُن	बुन	چُپ	चुप
تُل	तुल	چُگ	चुग
تُک	तुक	دُم	दुम
تُم	तुम	رُت	रुत

ऊ - ◌ُ = وُ

उर्दू में ऊ की मात्रा के स्थान पर यह चिन्ह (وُ) प्रयोग होता है।

इस चिन्ह को "वाओ पर उल्टा पेश" कहते हैं। यह चिन्ह मात्रा के रूप में अक्षर के आगे लगते हैं।

◌ُ = وُ		ऊ = اُو	
जू	جُو	दू	دُو
बूट	بُوٹ	बू	بُو
खून	خُون	लू	لُو
सूरज	سُورج	दूध	دُودھ
सूत	سُوت	चूहा	چُوہا
भूल	بھُول	दूर	دُور
फूल	پھُول	पूरा	پُورا
धूप	دھُوپ	टूटा	ٹُوٹا
झूठ	جھُوٹ	सूली	سُولی
गूदा	گُودا	मूली	مُولی
जूता	جُوتا	खूनी	خُونی
चूना	چُونا	चाक़ू	چاقُو

ए - े = ـيـ ے

उर्दू में "ए" की मात्रा के स्थान पर बड़ी "ये" (ے) या इसका चिन्ह (ـيـ) प्रयोग करते हैं। यह अक्षर के आगे लगाते हैं। इसके दो रूप हैं। (१) पूरा रूप जो शब्द के अंत में लिखते हैं। जैसेः- े =

उठे	اُٹھے	दे	دے
लिखे	لکھے	रे	رے
भुने	بُھنے	बे	بے
मुझे	مجھے	जे	جے
तुझे	تجھے	से	سے
सुने	سُنے	के	کے
बिके	بکے	ले	لے
लुटे	لُٹے	मे	مے
पिटे	پِٹے	ने	نے
सामने	سامنے	हे	ہے
गिरे	گِرے	थे	تھے

नोटः- बड़ी "ये" (ے) जब अक्षर के रूप में प्रयोग होता है तब इसे "य" माना जाता है किन्तु मात्रा के रूप में "ए" की मात्रा (े) माना जाता है।

(2) आधा रूप जो वास्तव में चिन्ह है जिसे शब्द के बीच में लिखते हैं। जैसेः-

सेठ	سیٹھ	रेल	ریل
बेटा	بیٹا	मेल	میل
तेरा	تیرا	बेर	بیر
रेखा	ریکھا	तेल	تیل
खेत	کھیت	देख	دیکھ
ठेला	ٹھیلا	चेला	چیلا
लेकिन	لیکن	केला	کیلا
जेब	جیب	मेरा	میرا
सेब	سیب	पेड़	پیڑ
देर	دیر	शेर	شیر
मेज़	میز	तेज़	تیز
नेक	نیک	भेजा	بھیجا
लेना	لینا	देना	دینا
लेटा	لیٹا	बेटा	بیٹا

ऐ - ‍ٰ = ےٰ یٰ

उर्दू में "ऐ" की मात्रा के स्थान पर बड़ी "ये" एक विशेष निशान के साथ (ےٰ) तथा इसका चिन्ह (یٰ) प्रयोग होता है। यह मात्रा अक्षर के आगे लगाते हैं।

(2) इसके दो रूप हैं। "पूरा रूप" जो शब्द के अंत में लिखते हैं। जैसेः- ‍ٰ = ےٰ

रै رےٰ दै دےٰ जै جےٰ बै بےٰ ऐ اےٰ है ہےٰ

वै وےٰ नै نےٰ मै مےٰ लै لےٰ कै کےٰ सै سےٰ

(2) "आधा रूप" जो वास्तव में चिन्ह है, शब्द के बीच में लिखा जाता है। जैसेः- ‍ٰ =

क़ैद	قیٰد	तैराक	تیٰراک
बैर	بیٰر	चैन	چیٰن
सैर	سیٰر	मैना	میٰنا
ख़ैर	خیٰر	नैन	نیٰن
पैर	پیٰر	बैल	بیٰل
पैसा	پیٰسہ	मैल	میٰل
थैला	تھیٰلا	जैसा	جیٰسا
मैला	میٰلا	कैसा	کیٰسا

ओ - ो = و

उर्दू में "ओ" -ो की मात्रा के स्थान पर वाओ (و) का प्रयोग होता है। इसे अक्षर के आगे लगाते हैं। जैसेः- ो =

हो ہو शो شو लो لو को کو दो دو ओ او

बोला	بولا	ओस	اوس
लोटा	لوٹا	डोल	ڈول
मोती	موتی	शोर	شور
मानो	مانو	गोल	گول
रोटी	روٹی	होश	ہوش
भोला	بھولا	ज़ोत	جوت
छोड़ा	چھوڑا	झोल	جھول
थोड़ा	تھوڑا	ढोल	ڈھول
घोड़ा	گھوڑا	खोल	کھول
घोका	دھوکا	ठोकर	ٹھوکر
मोर	مور	लिखो	لکھو
सोच	سوچ	पढ़ो	پڑھو
कोट	کوٹ	गोभी	گوبھی
लोग	لوگ	चोर	چور

औ - ौ = ۇ

उर्दू में औ की मात्रा के स्थान पर वाओ एक विशेष हिन्ह (ۇ) के साथ प्रयोग होता है। इसे अक्षर के आगे लगाते हैं:- ौ = ۇ

اَوْ	پَوْ	جَوْ	سَوْ	لَوْ	نَوْ	کَوْ
औ	पौ	जौ	सौ	लौ	नौ	कौ

اَوْر	और	دَوْڑ	दौड़
بَوْر	बौर	کَوْن	कौन
پَوْدا	पौदा	غَوْر	ग़ौर
دَوْلت	दौलत	دَوْر	दौर
رَوْنق	रौनक़	لَوْٹا	लौटा
سَوْدا	सौदा	چَوْک	चौक
فَوْج	फ़ौज	مَوْت	मौत
نَوْکر	नौकर	قَوْل	क़ौल
قَوْم	क़ौम	شَوْکت	शौकत
یَوْم	यौम	مَوْسم	मौसम
تَوْلیا	तौलिया	پَکَوْڑی	पकौड़ी

चन्द्र बिंदु 'ँ' तथा बिन्दी 'ं' = ںٓ ں

उर्दू में चन्द्र बिन्दु तथा बिन्दु के स्थान पर "नूनगुन्ना" (ں) का प्रयोग होता है। नूनगुन्ना की आवाज़ नाक से निकलती है नूनगुन्ना तथा नून में अंतर केवल इतना है कि नून के पेट में बिंदी होती है (ن) जब कि नूनगुन्ना का पेट खाली होता है।

नूनगुन्ना अक्षर के आगे लगाते हैं। नूनगुना के दो रूप हैं। (१) पूरा रूप (ں) जो शब्द के अंत में लिखते हैं। जैसेः-

यहाँ	یہاں	ख़ाँ	خاں
वहाँ	وہاں	माँ	ماں
जहाँ	جہاں	हाँ	ہاں
कहाँ	کہاں	हूँ	ہوں

(2) आधा रूप, जो वास्तव में चिन्ह है = ںٓ

यह शब्द के बीच में लिखा जाता है। नून के आधे रूप या चिन्ह में और नूनगुन्ना के आधे रूप या चिन्ह में अंतर केवल इतना है कि नूनगुन्ना पर (٘) इस प्रकार का निशान लगा दिया जाता है। जैसेः-

नून	ن	(नूनगुन्ना)	ں
होंठ	ہونٹ	गोंद	گوند
हांडी	ہانڈی	गेंद	گیند
सींग	سینگ	नींद	نیند
भैंस	بھینس	चोंच	چونچ

नूनगुन्ना के "पूरे तथा आधे रूप" से बने शब्दों का अभ्यास

راتیں	باتیں	لیں	ہیں	میں
रातें	बातें	लें	हैं	मैं
پڑھیں	چلوں	چلیں	لکھوں	لکھیں
पढ़ें	चलूँ	चलें	लिखूँ	लिखें
پانچ	آنکھ	دانت	سانپ	چاند
पाँच	आँख	दाँत	साँप	चाँद
مونگ	جانچ	سانس	ڈانٹ	آندھی
मूंग	जाँच	साँस	डाँट	आँधी
گونج	بوند	پھانک	باندھ	اینٹ
गूँज	बूँद	फाँक	बांध	ईंट

अगर नूनगुन्ना के बाद 'ब' (ب) अक्षर का प्रयोग होता है तो नूनगुन्ना की आवाज़ मीम (م) की निकलती है।

गुम्बद	گنبد	कुम्बा	کنبہ
अम्बर	عنبر	दुम्बा	دنبہ

हिन्दी के स्वर वर्ण और मात्राओं का उर्दू विकल्प

हिन्दी वर्ण		उर्दू	हिन्दी मात्रा		उर्दू
अ	=	ا		=	
आ	=	آ	ा	=	ا
इ	=	اِ	ि	=	ِ
ई	=	اِی	ी	=	ی یـ
उ	=	اُ	ु	=	ُ
ऊ	=	اُو	ू	=	ُو
ए	=	اے	े	=	ے یـ
ऐ	=	اَئے	ै	=	ئے ئـ
ओ	=	او	ो	=	و
औ	=	اَؤ	ौ	=	ؤ
अं	=	ں ںٓ	ं	=	
अः	=	ـہ ہ	ः	=	

तशदीद تشدید ـّـ

उर्दू में जब किसी अक्षर पर यह (ـّـ) चिन्ह हो, तो वह अक्षर दो बार पढ़ा जाता है। इस चिन्ह को तशदीद कहते हैं।

नोटः- उर्दू में पूरे तथा आधे अक्षर की आवाज़ पूरी मानी गयी है।

چکّر	سچّا	رسّی	اوّل	گنّا	ردّی
चक्कर	सच्चा	रस्सी	अवल	गन्ना	रद्दी
جنّت	مِٹّی	اَمّی	دِلّی	بِلّی	کُتّا
जन्नत	मिट्टी	अम्मी	दिल्ली	बिल्ली	कुत्ता
پتّا	غُصّہ	حُقّہ	حِصّہ	مُنّی	چکّی
पत्ता	ग़ुस्सा	हुक़्क़ा	हिस्सा	मुन्नी	चक्की
اماں	اَبّا	اُلّو	لڈّو	بھدّا	اچھّا
अम्माँ	अब्बा	उल्लू	लड्डू	भद्दा	अच्छा

مُنّا	بَلّا	خچّر	غُبّارہ	بگھّی	مچھّر
मुन्ना	बल्ला	ख़च्चर	ग़ुब्बारा	बग्घी	मच्छर
قصّہ	کھٹّا	پکّا	کچّا	چھُٹّی	لٹّو
क़िस्सा	खट्टा	पक्का	कच्चा	छुट्टी	लट्टू

नोटः- जब किसी शब्द में "ये" (ی-یـ) पर तशदीद हो तो "ये" की पहली आवाज़ "इ" और दूसरी आवाज़ "य" होगी। किन्तु हिन्दी में "इ" की जगह ऐ - ै लिखा जाता है।

हिन्दी में लिखा जाता है	उच्चारण	शब्द
भैया	भइया	بھیّا
नैया	नइया	نیّا
तैयार	तइयार	تیّار
कन्हैया	कनहइया	کنھیّا
सैयद	सइयद	سیّد

विशेष अध्ययन

و-व ی-य ہ ا-अ ل-ल आदि।

و = व का विशेष अध्ययन

(क) उर्दू के कुछ शब्द ऐसे हैं जिसका वाओ (و) लिखा जाता है किन्तु पढ़ा नहीं जाता है। यह "मूक वाओ" बहुधा ख़े (خ - ख) के बाद आता है। जैसेः-

خُود	خُوشی	خواب	خواہش	خوراک
खुद	खुशी	ख़ाब	ख़ाहिश	खुराक
خواجہ	خویش	خوش	دسترخوان	خورد
ख़ाजा	ख़ेश	खुश	दस्तरख़ान	खुर्द

(ख) वाओ दो शब्दों को मिलाने के लिए भी प्रयोग होता है। ऐसे अवसर पर वाओ की आवाज़ "ओ" निकलती है। जैसेः-

علم و دولت	شان وشوکت	دل و جان
इल्म-ओ-दौलत	शान-ओ-शौकत	दिल-ओ-जान
इल्मो-दौलत	शानो-शौकत	दिलो-जान

ی - य का विशेष अध्ययन

उर्दू में कुछ शब्द ऐसे हैं जिसका अंतिम अक्षर "ये" अथवा "बड़ी ये" (ی یا ے) लिखा जाता है और इस पर अलिफ़ ا अक्षर भी लगा देते हैं।

इस प्रकार के अलिफ़ सहित ये तथा बड़ी ये केवल अलिफ़ (ا) की आवाज़ देते हैं। अर्थात् ये या बड़ी ये (ی ے) मूक रहता है:-

مُصطفٰی	مُرتضٰی	موسٰی	عیسٰی	ادنٰی	اعلٰی
मुस्तफ़ा	मुर्तज़ा	मूसा	ईसा	अदना	आला

"ये" (ی) अक्षर तथा मात्रा दोनों रूप में प्रयोग होती हैं। दोनों के रूप समान हैं। जैसेः-

ो = یٖ ی य = یـ ی

अक्षर के रूप में प्रयोग - अभ्यास :-

گیان	گیارہ	کیوں	کیا	یکّہ
ज्ञान	ग्यारह	क्यों	क्या	यक्का
نیولا	پیاس	پیار	بیوپار	بیاہ
न्योला	प्यास	प्यार	ब्योपार	ब्याह

ه -- ह का विशेष अध्ययन

(१) ه की चार शक्लें हैं। जैसे-

ھ ـہ ہ ه

تازہ کمرہ ہاکی شہر دانہ آنہ بھولا بھابی

(2) हिन्दी के "ह" के स्थान पर इसकी निम्न शक्लें प्रयोग होती हैः-

ہ ـہ ه

وہ	شاہ	آہ	ماہ	یہ
वह	शाह	आह	माह	यह
ہم	تمہاری	وہی	ہے	ہرن
हम	तुम्हारी	वही	है	हिरन

(३) बहुधा यह छोटी हे (ه) शब्द के अंत में आती है तो "ह" की आवाज़ न देकर अ की मात्रा 'ا' की आवाज़ देती है।

आ-- "ا" = ه

ऐसे अवसर पर इसकी ये दो शक्लें प्रयोग में आती हैं--ـہ ه

خطرہ	پارہ	روزہ	تازہ	دانہ	آنہ
ख़तरा	पारा	रोज़ा	ताज़ा	दाना	आना
بستہ	میوہ	توبہ	سرکہ	عُمدہ	کمرہ
बस्ता	मेवा	तौबा	सिरका	उमदा	कमरा
حِصّہ	قِصّہ	بندہ	زندہ	سُرمہ	رِشتہ
हिस्सा	क़िस्सा	बन्दा	ज़िन्दा	सुर्मा	रिश्ता
پردہ	سینہ	ہفتہ	جلسہ	غُصّہ	حُقّہ
पर्दा	सीना	हफ़्ता	जलसा	ग़ुस्सा	हुक्क़
چوزہ	خیمہ	قبلہ	پُختہ	فائدہ	روپیہ
चूज़ा	ख़ेमा	क़िबला	पुख़्ता	फ़ायदा	रूपया

(4) ھ (दो चश्मी हे) उर्दू के संयुक्त अक्षर (हिन्दी के भारी आवाज़ वाले अक्षर) बनाने के काम आती है।

لاکھ	بھارت	رتھ	کھانا	باڑھ	دھاگا
लाख	भारत	रथ	खाना	बाढ़	धागा

मूक रहने वाले अक्षर -ال وی

उर्दू में कुछ शब्द ऐसे हैं जिनमें अलिफ़ और लाम एक साथ आता है। ऐसे अवसर पर अलिफ़ मूक रहता है अर्थात लिखा जाता है किन्तु पढ़ा नहीं जाता है। जैसेः-

عَبْدُالْغَفَّار	عَبْدُالْکَرِیْم	عَبْدُالْغَنِی	بِالْکُل
अब्दुलग़फ़्फ़ार	अब्दुलकरीम	अब्दुल ग़नी	बिल्कुल

कुछ ऐसे भी शब्द हैं जिनमें अलिफ़ और लाम एक साथ आते हैं और वे दोनों मूक रहते हैं। जैसेः-

عَبْدُالرَّحِیْم	عَبْدُالصَّمَد	عبدُالشَّکُوْر	عَبْدُالسَّتَّار
अब्दुर्रहीम	अब्दुस्समद	अब्दुश्शकूर	अब्दुस्सत्तार

कुछ शब्द ऐसे हैं जिनमें वाओ, अलिफ़ तथा लाम एक साथ आते हैं। इनका वाओ तथा अलिफ़ मूक रहता है। जैसेः-

अबुलकलाम اَبُوالْکَلام

कुछ शब्द ऐसे हैं जिनका "ये तथा अलिफ़" मूक रहता है। जैसेः-

फ़िलफ़ौर (तुरंत) (فِل فور) فِی الْفَوْر

कभी-कभी अलिफ़ के ऊपर दो ज़बर (ً) लगे होते हैं। इन दो ज़बर की आवाज़ "नून" (न) की निकलती है तथा इनका अलिफ़ मूक रहता है। जैसेः-

فوراً	تقریباً	رسماً	آناً فاناً
फ़ौरन	तक़रीबन	रस्मन	आनन-फानन

ژ--झ़ का अध्ययन

-झ़ अक्षर फ़ारसी का है। इसका उच्चारण अंग्रेज़ी के Treasure, pleasure आदि शब्दों के "su" की भाँति करना चाहिये। जैसेः-

اژدہا	مژدہ	مژگاں
अझ़दहा	मुझ़दा	मिझ़गाँ

पूरे तथा आधे अक्षर का पुनः अभ्यास

ب پ ت ٹ ک گ ن ی ے

ऊपर लिखे गये अक्षरों के "आधे रूप" या चिन्ह या सिरे अपनी बिन्दियों सहित प्रयोग होते हैं। चूँकि इन अक्षरों के चिन्ह

की शक्लें समान है, इसलिए केवल बिन्दियों ही से इन्हें पहचाना जा सकता है:-

لٹک	کپٹ	گیت	سیب	سَبَب
लटक	कपट	गीत	सेब	सबब
متھُرا	مٹکا	کِتاب	کپڑے	میں
मथुरा	मटका	किताब	कपड़े	में
ہیں	بیٹھو	سُتھرا	کبھی	مَنْدِر
हैं	बैठो	सुथरा	कभी	मन्दिर
مچھرا	کشتی	قسم	سَخْت	بچو	بجلی
मछेरा	कश्ती	क़सम	सख़्त	बचो	बिजली
بستہ	مچھلی	سمجھ	چمک	آسمان
बस्ता	मछली	समझ	चमक	आस्मान
شُکر	تکلیف	کپڑا	بکری	مکان
शुक्र	तकलीफ़	कपड़ा	बकरी	मकान
قلم	جھگڑا	اسکول	مُشکِل	فِکر
क़लम	झगड़ा	स्कूल	मुश्किल	फ़िक्र

अरबी और फ़ारसी अक्षरों से बनने वाले शब्दों का अभ्यास

अरबी और फ़ारसी के निम्न अक्षरों से केवल अरबी और फ़ारसी के शब्द बनते हैं। हर शब्द के नीचे उसका अर्थ दिया जा रहा है।

ث ح ذ ز

ص ض ط ظ ع غ ف ق

ظَرْف	طَلَب	ضَرَر	صَبْر	ذرا	حَمْدْ
ज़र्फ़	तलब	ज़रर	सब्र	ज़रा	हम्द
बर्तन	माँग	हानि	सन्तोष	थोड़ा	प्रशंसा
ضِدْ	صَنْدُوق	ذِكْر	حِصّہ	ثمر	عَقْل
ज़िद	सन्दूक़	ज़िक्र	हिस्सा	समर	अक़्ल
आग्रह	बक्स	वर्णन	भाग, अंश	फल	बुद्धि

ضرورت	صُراحی	ثبُوت	عِلم
ज़रूरत	सुराही	सबूत	इल्म
आवश्यक्ता	लम्बी गर्दन वाला बर्तन	प्रमाण	विद्या

ناظِم	طِلا	عُنّاب	ظُلم	طُول
नाज़िम	तिला	उन्नाब	ज़ुल्म	तूल
प्रबंधक	सोना	एक औषधि	अत्याचार	लम्बाई

अरबी और फ़ारसी शब्दों की जो वतर्नी (हिज्जे) अरबी और फ़ारसी भाषा में लिखी जाती है, वही उर्दू भाषा में भी प्रयोग होती है। अतः इन रोज़ाना काम आने वाले शब्दों को याद कर लीजिए।

ذ ض ظ यह तीनों अक्षर अरबी के हैं। इनकी आवाज़ें एक सी नहीं हैं इनके उच्चारण में बहुत अन्तर है। किन्तु हम इन अक्षरों को आवाज़ों में अन्तर न करते हुए सब का उच्चारण एक सा करते हैं और इन सब अक्षरों से बने हुये शब्द "ज़" से लिखते हैं। इन अक्षरों से बने हुए कुछ शब्द याद कर लीजिये। ये शब्द उर्दू में बार-बार प्रयोग होते हैं।

عَذاب	لَذّت	ذرّہ	نَذر	مَذہَب	عُذر
अज़ाब	लज़्ज़त	ज़र्रा	नज़्र	मज़हब	उज़्र
قَبض	مَضبُوط	فیض	فضا	مذاق	
क़ब्ज़	मज़बूत	फ़ैज़	फ़ज़ा	मज़ाक़	
مظلوم	ظالم	بَیضَہ	ضَبط	قضا	
मज़लूम	ज़ालिम	बैज़ा	ज़ब्त	क़ज़ा	
اعلیٰ	ظاہر	نظام	نظم	مُظاہرہ	
आला	ज़ाहिर	निज़ाम	नज़्म	मुज़ाहिरा	

ث के शब्द

مِثال مِثل نَثر نِثار کثرت ثابِت اَثر

मिसाल मिस्ल नस्र निसार कसरत साबित असर

ص के शब्द

صَدر حاصِل صَفائی صُورت مُصَوِّر تصوِیر صَبر

सदर हासिल सफ़ाई सूरत मुसव्विर तस्वीर सब्र

नोटः- आरबी और फ़ारसी शब्दों के अतिरिक्त यदि किसी और भाषा के शब्द में 'स' की आवाज़ हो तो उसे س से लिखिये जैसेः-

سُورَج سَوراجیہ سُنار سَنسار

सूरज स्वराज्य सुनार संसार

فِرانس سِگریٹ اِسکول

फ़्रांस सिगरेट स्कूल

ط के शब्द

طالِب مَطلُوب مَطلَب غَلَط خَط طوق قطعہ

क़िता तौक़ ख़त ग़लत मतलब मत्लूब तालिब

ح के शब्द

حَل صاحب حالت حَلوَہ

हलवा हालत साहब हल

حِکایت حِمایت صِحرا

सहरा हिमायत हिकायत

ع के शब्द

عالِم فِعل تعلیم معقول نفع عمل دعوت

दावत अमल नफ़ा मा:कूल तालीम फ़ेल आलिम

बुलावा क्रिया लाभ उचित शिक्षा काम विद्वान

غ ف ق के शब्द

مُغَل	मुग़ल	سَفَر	सफ़र	شَفَق	शफ़क़ (लालिमा)
چُغلی	चुग़ली	فَقِیر	फ़क़ीर	بالِغ	बालिग़ (वयस्क)
اُفَق	उफ़क़	نقاب	नक़ाब	مَغرِب	मग़रिब (पश्चिम)

विराम चिन्ह

	हिन्दी में	उर्दू में
पूर्ण विराम	।	–
अल्प विराम	,	،
प्रश्न सूचक	?	؟
विस्मयादिबोधक	!	!
उद्धरण	" "	“ ”
योजक	-	-
विवरण	:-	-:
निर्देश	--	--
कोष्ठक	( )	( )
तख़ल्लुस को बताने वाला चिन्ह		ؔ

दिनों के नाम

सनीचर	(शनिवार)	سنیچر
इतवार	(रविवार)	اتوار
पीर	(सोमवार)	پیر
मंगल	(मंगलवार)	منگل
बुध	(बुधवार)	بُدھ
जुमेरात	(वृहस्पतिवार)	جمُعرات
जुमा	(शुक्रवार)	جمُعہ

अंग्रेज़ी महीने

जनवरी	جنوری	जुलाई	جولائی
फ़रवरी	فروری	अगस्त	اگست
मार्च	مارچ	सितम्बर	ستمبر
अप्रैल	اپریل	अक्तूबर	اکتوبر
मई	مئی	नवम्बर	نومبر
जून	جُون	दिसम्बर	دسمبر

हिन्दी महीने

चैत	چیت	क्वार	کوار
बैसाख	بیساکھ	कार्तिक	کارتک
ज्येष्ठ	جیٹھ	अगहन	اگہن
आषाढ़	آساڑھ	पोह	پوہ
सावन	ساون	माघ	ماگھ
भादों	بھادوں	फागुन	پھاگن

अरबी महीने

मुहर्रम	محرم	रजब	رجب
सफ़र	صفر	शःबान	شعبان
रबीउल अव्वल	ربیع الاوّل	रमज़ान	رمضان
रबीउस सानी	ربیع الثانی	शव्वाल	شوّال
जमादुल अव्वल	جمادی الاوّل	ज़ीक़ादह	ذیقعدہ
जमादुस सानी	جمادی الثانی	ज़िलहिज्जह	ذی الحجّہ

इमला

अदालत	عدالت	फ़ैसला	فیصلہ
क़ानून	قانون	वकील	وکیل
जुर्म	جُرم	नालिश	نالش
दावा	دعویٰ	गवाह	گواہ
मुद्दई	مُدّعی	इक़बाल	اقبال
तमस्सुक	تمسّک	समन	سمن
अर्ज़ी	عرضی	बेदख़ली	بیدخلی
नोटिस	نوٹس	राज़ीनामा	راضی نامہ
मिसल	مِسَل	क़ब्ज़ा	قبضہ
क़ैद	قید	इक़रार नामा	اِقرار نامہ
पेशकार	پیشکار	बहस	بحث
जाल साज़ी	جعلسازی	बयान	بیان
जिरह	جِرح	ज़मानत	ضمانت
मुजरिम	مُجرم	हथकड़ी	ہتھکڑی
पट्टा	پَٹّہ	रिहाई	رہائی
फ़ौजदारी	فوجداری	जुर्म	جُرم

फेफड़ा	پھیپھڑا	कलेजा	کلیجہ
बग़ल	بغل	नाख़ून	ناخُن
बाजू	بازو	टख़ना	ٹخنہ
चराग़ (दीपक)	چراغ	मुर्ग़ाबी	مُرغابی
बुख़ार	بخار	ग़ुटग़ूँ करना	غُٹرغوں کرنا
अजमेर	اجمیر	आगरा	آگرہ
अरनाकुलम	ارناکلم	बाराबंकी	بارہ بنکی
बम्बई	بمبئی	भद्राचलम	بھدراچلم
पूना	پونہ	पटना	پٹنہ
प्रतापगढ़	پرتاپ گڑھ	तरनतारन	ترن تارن
तातारपुर	تاتارپور	त्रिपुरा	تِری پورہ
टाटानगर	ٹاٹا نگر	टिहरी	ٹِہری
टनकपुर	ٹنک پور	जमशेदपुर	جمشید پور
जामनगर	جام نگر	जम्मू	جموّں

छत्तीसगढ़	چھتیس گڑھ	चेरापूँजी	چیرا پونجی
हिसार	حِصار	चंडीगढ़	چنڈی گڑھ
ख़िज़राबाद	خِضر آباد	हैदराबाद	حیدر آباد
ख़ानयार	خانیار	खानपुर	خانپور
दार्जिलिंग	دارجلنگ	देहरादून	دہرہ دون
डिबरूगढ़	ڈِبرو گڑھ	दरभंगा	دربھنگہ
डाल्टनगंज	ڈالٹن گنج	डोडा	ڈوڈا
रांची	رانچی	रामपुर	رام پور
ज़मर्रूदपुर	زمرُدپور	राजकोट	راجکوٹ
सीकर	سیکر	सीवान	سیوان
शाहजहानपुर	شاہ جہانپور	सहारनपुर	سہارنپور
शोलापुर	شولاپور	शिमला	شملہ
आदिलाबाद	عادِل آباد	साहिबाबाद	صاحب آباد

ज़ियाबाद	غازی آباد	ग़दरपुर	غدر پور
रीदाबाद	فرید آباد	फ़ाज़िल्का	فاضلکہ
र्रुख़ाबाद	فرّخ آباد	क़ायमगंज	قائم گنج
ाज़ीगुंड	قاضی گنڈ	किशन गंज	کشن گنج
ानपुर	کانپور	कालीकट	کالی کٹ
या	گیا	गोंडा	گونڈہ
ुलबर्गा	گلبرگہ	लक्षद्वीप	لکش دیپ
खनऊ	لکھنؤ	लुधियाना	لُدھیانہ
महबूब नगर	محبوب نگر	मल्लापुरम	ملّاپورم
मुज़फ़्फ़रपुर	مظفر پور	नागपुर	ناگپور
निज़ामाबाद	نظام آباد	वारंगल	وارنگل
वाराणसी	وارانسی	हाथरस	ہاتھرس
हावड़ा	ہاوڑہ	हल्द्वानी	ہلدوانی

चाक़ू	چاقو	कफ़गीर (पलटा)	کفگیر
ग्रामोफ़ोन	گراموفون	कुली	قُلی
क़मीज़	قمیض	रंगरेज़	رنگریز
लिहाफ़	لحاف	घड़ी साज़	گھڑی ساز
फ़लालैन	فلالین	क़लम	قلم
शरीफ़ा	شریفہ	फ़ौलाद	فولاد
ख़च्चर	خچّر	तरबूज़	تربوز
अख़रोट	اخروٹ	मख़मल	مخمل
फ़ाख़्ता	فاختہ	फ़ालसे	فالسے
बाज़	باز	केला	کیلا
मुहम्मद मुस्तफ़ा	محمد مصطفیٰ	ख़रबूज़ा	خربوزہ
अब्दुस-सत्तार	عبدالستار	बत्तख़	بطّخ
शफ़ीक़ुर्रहमान	شفیق الرحمٰن	मुर्ग़ा	مُرغا
मुश्ताक़ अहमद	مشتاق احمد	अब्दुलग़फ़्फ़ार	عبدالغفار
ज़ाकिर हुसैन	ذاکر حسین	बदरूद्दीन	بدرالدین

چاقو	चाक़ू	بندوق	बन्दूक़
فرش	फ़र्श	چٹخنی	चटख़नी
کمرہ	कमरा	قینچی	कैंची
دروازہ	दरवाज़ा	سونف	सौंफ़
زیرا	ज़ीरा	پیچش	पेचिश
شلغم	शलग़म	دَمہ	दमा
پیاز	प्याज़	سیاہی	स्याही
زکام	ज़ुकाम	نِب	निब
کفایت اللہ	किफ़ायतुल्लाह	اَدھیاپک	अध्यापक
محمد فاروق	मुहम्मद फ़ारूक़	مُعلِّم	(मुअल्लिम)
حُسن آرا	हुसन् आरा	انوری بیگم	अनवरी बेगम
رضیہ	रज़िया	بلقیس	बिलक़ीस
شمیمہ	शमीमा	کنیز فاطمہ	कनीज़फ़ात्मा
یاسمین	यासमीन	نسیمہ	नसीमा
عزیزہ	अज़ीज़ा	فردوس	फ़िरदौस

उर्दू गिनती

हिन्दी अंक	शब्दों में		उर्दू अंक
१	एक	ایک	۱
२	दो	دو	۲
३	तीन	تین	۳
४	चार	چار	۴
५	पाँच	پانچ	۵
६	छ	چھ	۶
७	सात	سات	۷
८	आठ	آٹھ	۸
९	नौ	نو	۹
१०	दस	دس	۱۰

नोटः इकाई, दहाई सैकड़ा आदि के नियम उर्दू में भी हिन्दी जैसे होते हैं।

शब्दावली

पिता	वालिद	والد
माता	वालिदा	والدہ
भाई	ब्रादर	برادر
बहन	हमशीरा	ہمشیرہ
बेटी	दुख़्तर	دُختر
बेटा	फ़रज़ंद	فرزند
ससुर	ख़ुसर	خُسَر
बीबी	बेगम	بیگم
मामा	मामूँ	ماموں
मामी	मुमानी	مُمانی
मौसी	ख़ाला	خالہ
मौसा		خالو
पति	शौहर	شوہر
पूर्व	मशरिक़	مشرق
पश्चिम	मग़रिब	مغرب

उत्तर	शुमाल	شُمال
दक्षिण	जुनूब	جنوب
नमस्कार या	आदाब या	آداب یا
नमस्ते	तस्लीम	تسلیم
अभिनन्दन	ख़ैरमक़दम	خیرمقدم
अभिवादन	इस्तक़बाल	استقبال
स्वागतम	ख़ुशामदीद	خوش آمدید
शुभरात्रि	शब्ब -खेर	شب بخیر
ईश्वर आपकी रक्षा करे	ख़ुदा हाफ़िज़	خدا حافظ
बैठिये	तशरीफ़ रखिए	تشریف رکھیے
आइये	तशरीफ़ लाइये	تشریف لائیے
खाइए-पीजिए	नोश फ़रमाइये	نوش فرمائیے
खाइये	तनावुल फ़रमाइये	تناول فرمائیے
राष्ट्रपति	सदरे मुमलिकत	صدرِ مملکت
अध्यक्ष	सदर	صدر
प्रधानमंत्री	वज़ीरे आज़म	وزیرِ اعظم

मुख्यमंत्री	वज़ीरे [illegible]	وزیراعلیٰ
मंत्री	वज़ीर	وزیر
राज्य मंत्री	वज़ीरे-मुमलिकत	وزیرِمملکت
विदेश मंत्री	वज़ीरे ख़ार्जा	وزیرِخارجہ
गृह मंत्री	वज़ीरे दाख़ला	وزیرِداخلہ
रक्षा मंत्री	वज़ीरे दिफ़ा	وزیردفاع
वायु सेना	फ़ज़ाइया	فضائیہ
थल सेना	बहरिया	بحریہ
जल सेना	बर्री	برّی فوج
महाद्वीप	बर्रे आज़म	برِّاعظم
महासागर	बहरे-आज़म	بحرِاعظم
आदरणीय	इज़्ज़ात मा-आब	عزّت مآب
महोदय	आली जनाब	عالیجناب
भवदीय	नियाज़मदं	نیازمند
सेवा में महोदय	बख़िदमत जनाब	بخدمت جناب
निवेदन	गुज़ारिश	گزارش

भेजा हुआ	मुर-सिला	مُرسلہ
भेजना	इर-साल	ارسال
संलग्न	मुन्सलिक	منسلک
साथमें	हमरिश्ता	ہم رشتہ
नाचीज़	ख़ाकसार	خاکسار
विलम्ब	देर तलब	دیر طلب
पूछताछ	जवाब तलब	جواب طلب
अविलम्ब	बर-वक़्त	بروقت
बिल्कुल उसी जैसा	बजिन्सेही	بجنسہٖ
प्रमाण-पत्र	तसदीक़नामा	تصدیق نامہ
शपथ-पत्र	हलफ़ नामा	حلف نامہ
स्पष्ट	ज़ाहिर	ظاہر
सुचरित्र	ज़ाहिद	زاہد
गुप्त	बातिन	باطن
श्रृष्टि के आरम्भ से	अज़ल	ازل
श्रृष्टि के अन्त तक	अबद	اَبد

समझ बूझ	हिकमत	حکمت
अति	इन्तेहा	اِنتہا
प्रकृति	क़ुदरत	قدرت
सीमा	हद	حد
अतिरिक्त	अलावा	علاوہ
प्राचीन	क़दीम	قدیم
निकृष्ट	हक़ीर	حقیر
विराट	अज़ीम	عظیم
अनुयायी	उम्मती	اُمّتی
तेज (रोशनी)	तजल्ली	تجلّی
अंधकार	तीरगी	تیرگی
लाचार, क्षुब्ध	आजिज़	عاجز
समझ-बूझ	अक़्लो ख़िरद	عقل وخِرد
सर झुका हुआ	सरनिगूँ	سرنگوں
अपनत्व	क़ुरबत	قُربت

दूरी	फ़ासला	فاصلہ
परम्परायें	क़दरें	قدریں
उत्तराधिकारी	वारिस	وارث
समर्पितत	इन्तेसाब	انتساب
ओस	शबनम	شبنم
ठंडा	ख़ुनक	خنک
सुन्दर	हसीन	حسین
विचारधारायें	ख़यालात	خیالات
बातचीत, शायरी, कविता	कलाम	کلام
क़ुरआन को बहुत अच्छी आवाज से पढ़ने वाला पाठक	क़ारी	قاری
एक रंग हो जाना	यकरंगी	یک رنگی
गीत	नग़मा	نغمہ
कड़वाहट	तलख़ी	تلخی
	लहू	لہو

रोना पीटना, फ़रियाद करना	आह ओ फ़ुग़ाँ	آہ وفغاں
अध्ययन	मुताला	مُطالعہ
ग़रीब	मुफ़लिस	مُفلِس
वास्तविकता	अहवाले वाक़ई	احوالِ واقعی
सम्मान	एज़ाज़	اعزاز
पानी और मिट्टी	आबोगिल	آب وگِل
प्रशंसा करना	हम्द	حمد
दोनों लोक	आलमीन	عالمین
कारण, बजह	सबब	سَبَب
झलक, प्रतिध्वनि	बाज़गष्त	بازگشت
पेड़	शजर	شجر
शौक़ (Hobby)	मशग़ला	مشغلہ
बहुत मुश्किल काम को करना	जूए शीर लाना	جُوئے شیر لانا
उत्साह	वल वला	ولولہ
खटखटाना	दस्तक	دستک

मेंहन्दी	हिना	حِنا
अर्थी	जनाज़ा	جنازہ
सूली	सलीब	صلیب
मुस्कान मुस्काराहट	तबस्सुम	تبسّم
प्रदर्शनी स्थल	नुमाइश गाह	نمائش گاہ
चीरा लगाने के लिए तेज़ धार का औज़ार	नशतर	نشتر
हिलना	जुम्बिश	جُنبِش
बड़ाई	अज़मत	عظمت
सूफ़ी सन्तों का पूजा स्थल	ख़ानक़ाह	خانقاہ
राय ख़राब हो जाना	बदज़न	بدظن
बुरे अन्देशे पैदा हो जाना	बद गुमान	بدگمان
पर्दा	हिजाब	حجاب
वातावरण, आसमान, आकाश	गरदूँ	گردُوں
सूर्योदय की लाली	उफ़क़	اُفق

सूर्यास्त की लाली	शफ़क़	شفق
पुकारना	बाँग	بانگ
मुलाक़ात, मौत	विसाल	وصال
आरम्भ	इब्तिदा	ابتدا
साहस	जुरअत	جرأت
मनोरथ	मुद्दआ	مُدّعا
लज्जा	हया	حیا
घमण्ड, नख़रा, गर्व	नाज़	ناز
सदैव, हमेशा	सदा	سَدا
आवाज़	सदा	صدا
कामना	आरज़ू	آرزو
होंट	लब	لَبْ
वार्तालाप, बातचीत	गुफ़्तुगू	گُفتگو
प्रेम, प्यार	उल्फ़त	اُلفت
बल सिलवट	शिकन	شِکن

त्रुटि		لغزش
बिखरना, अशांत	मुनतशिर	منتشر
लड़खड़ाना	लरज़िश	لرزش
हरकत	जुम्बिश	جُنبِش
आनन्दमय	पुरलुत्फ़	پُرلُطف
नाव	सफ़ीना	سفینہ
नशा, मस्ती	सुरूर	سُرور
परिपूर्ण	मामूर	معمُور
फ़रिश्ता	मलक	مَلک
विदा	रूख़सत	رُخصت
दिशा	सम्त	سمت
उपवन	चमन	چمن
ऐसी बात जिससे झगड़ा पैदा हो।	फ़ितना	فِتنہ
मूलकारण, स्रोत	सर्चश्मा	سرچشمہ

आस्मान,आकाश	अफ़लाक	افلاک
खोया हुआ	गुमशुदा	گمشُدہ
मीठी	शीरीं	شیریں
कली	ग़ुंचा	غُنچہ
अमीरी	अमारत	اَمارت
जेल, पिंजड़ा	क़फ़स	قَفَس
क़ैदी	असीर	اَسیر
फूट	तफ़र्क़ा	تفرقہ
आने वाला कल	फ़र्दा	فردا
आकाश	चर्ख़	چرخ
कानाफूसी	सरगोशी	سرگوشی
प्रगट	इज़हार	اظہار
आनन्द	मुसर्रत	مُسرّت
रात	शब	شب
पहनावा	पैरहन	پیرہن

बज़्म	बज़्म	सभा
نِشاط	निशात	आनन्द
رقص	रक़्स	नृत्य
دست	दस्त	हाथ
پا	पा	पैर
ہم کلام	हम कलाम	आमने सामने बातचीत करना
پاکیزگی	पाकीज़गी	पवित्रता
سیم	सीम	चाँदी
زر	ज़र	सोना
دشت	दश्त	जंगल
تہذیب	तहज़ीब	सभ्यता
نو	नौ	नया
بام	बाम	छज्जा
در	दर	दरवाज़ा
برق	बर्क़	बिजली

उपासक	परस्तार	پرستار
चिंगारी	शरारा	شرارہ
दुःखभरी आवाज़	नाला	نالہ
धर्ती	अर्ज़	ارض
आकाश	समाँ	سماں
संसार	जहाँ	جہاں
निकाह के समय तय की जाने वाली धनराशि	मेहर	مہر
लापरवाही	तग़ाफ़ुल	تغافل
बदनामी	रूस्वाई	رسوائی
वियोग	फ़ुर्क़त	فرقت
कल्पना	तसव्वुर	تصوّر
सम्पूर्ण	तकमील	تکمیل
जीवन, जीवित	हयात	حیات
सृष्टि	कायनात	کائنات
जागना	बेदार	بیدار

सूरज	महर	مہر
किरण	शुआ	شُعاع
सोया हुआ	ख़ाबीदा	خوابیدہ
अंग	अज़्व	عضو
मौत	अजल	اجل
चोग़ा	क़बा	قبا
संसार	आलम	عالم
चेहरा	रूख़	رُخ
आरम्भ	आग़ाज़	آغاز
बेचैन	मुज़्तर	مضطر
भीगी आंख	दीद-ए-तर	دیدۂ تر
मुँह	दहन	دہن
स्वर्ग की नहर	तसनीम	تسنیم
मज़ा	कैफ़	کیف
स्वर्ग	ख़ुल्द	خُلد

माथा	जबीं	جبیں
उन्माद	जुनूं	جُنوں
फ़ौज	लश्कर	لشکر
गुप्त, छुपा हुआ	पोशीदा	پوشیدہ
क्षण	लम्हा	لمحہ
छुपा हुआ	पिन्हाँ	پنہاں
आलिंगन	हम-आग़ोश	ہم آغوش
कंघा	शाना	شانہ
कालेबाल	काकुल	کاکُل
चूमना	बोसोकनार	بوس وکنار
प्रकट/ज़ाहिर	अयाँ	عیاں
संदेश	पैग़ाम	پیغام
अर्थहीन	बेमाना	بے معنیٰ
शरीर	पैकर	پیکر
स्वाद	लज़्ज़त	لذّت

मित्र	हमदम	ہمدم
पुराना	दैरीना	دیرینہ
हतोत्साह, बेमज़ा	बेमायगी	بے مائیگی
संयम, बर्दाश्त	ज़ब्त	ضبط
सच्चाई, अधिकार	हक़	حق
जिन्दगी	ज़ीस्त	زیست
सन्देश	पयाम	پیام
पछतावा	पशेमाँ	پشیماں
ख़ुश, प्रसन्न	मसरूर	مسرور
परस्पर	बाहम	باہم
दर्शन	दीद	دید
सूरज	ख़ुशाद	خورشید
दुख, जलन	सोज़	سوز
तर्क, दर्शन शास्त्र	मन्तिक़	منطق
स्वप्न फल	ताबीर	تعبیر

दार्शनिक	फ़लसफ़ी	فلسفی
दर्शनशास्त्र	फ़लसफ़ा	فلسفہ
छुपा हुआ	निहाँ	نہاں
शिल्पकारी किया हुआ	तराशीदा	تراشیدہ
अहं	अना	آنا
स्वर्ग	फ़िरदौस	فردوس
सुबह की हवा	सबा	صبا
यौवन	शबाब	شباب
उदय	तुलू	طُلوع
सितारा	अन्जुम	انجم
अज्ञान	जहल	جہل
परम्परा	रिवायत	روایت
निवाला	लुक़मा	لُقمہ
मौत	मर्ग	مرگ
आस्मान	अर्श	عرش

قلب	क़ल्ब	हृदय
کُفر	कुफ़्र	अंधेरा
نگہبان	निगेहबान	रक्षक
ناگہاں	नागहाँ	अचानक
گرداب	गरदाब	भंवर
ناشاد	नाशाद	अप्रसन्न
شاد	शाद	प्रसन्न
صِلہ	सिला	बदला
دارورسن	दारो-रसन	फांसी का तख़्ता
قصر	क़स्र	महल
جلوہ فگن	जलवा फ़िगन	दर्शन देना
خار	ख़ार	कांटे
حبیب	हबीब	प्यारा
ناآشنا	ना आशना	अजनबी
خودبینی	ख़ुदबीनी	अपने आप को पहचानना

पलक	मिझ़गाँ	مژگاں
इन्द्रधनुष	क़ौसो-क़ज़ा	قوس وقزح
तलवार	तेग़	تیغ
क़यामत, प्रलय	महशर	محشر
असत्य, झूठ	बातिल	باطل
व्यवस्था	निज़ाम	نظام
भाईचारा	उख़ूव्वत	اُخوّت
विरह	हिजराँ	ہجراں
बात-चीत	गुफ़्तार	گفتار
दुःख	आज़ार	آزار
संगीत	मौसीक़ी	موسیقی
पालना, झूला	गहवारा	گہوارہ
भाषा	सुख़न	سخن
अंधकार	ज़ुल्मत	ظُلمت
चर्चा	तज़किरा	تذکرہ

आकाशगंगा	कहकशाँ	کہکشاں
चाँद, महीना	माह	ماہ
जोगी, योगी	क़लन्दर	قلندر
दुनिया	मकाँ	مکاں
असीमित	लामकाँ	لامکاں
ज़माना	दहर	دہر
उलट-पलट	ज़ेरोज़बर	زیروزبر
संगीत	आहंग	آہنگ
बाधा	आर	عار
समुदाय	उम्मत	اُمّت
साथी	हमनशीं	ہم نشیں
नवांकुरित	नौरवेज़	نوخیز
प्रार्थना	इल-तिजा	التجا
अमर	जावेदानी	جاودانی
चित्रकार	मुसव्विर्	مُصوّر

नश्वर	फ़ानी	فانی
भौंयें, भवें	अब्रू	اَبرُو
बातचीत	तकल्लुम	تکلّم
आयु	सिन	سِن
सूफी या पीर की दरगारह	आस्ताना	آستانہ
जीर्ण-शीर्ण	बोसीदा	بوسیدہ
अप्रचलित	फ़र-सूदा	فرسودہ
जान निकलने की हालत	न-ज़ा	نزع
पीड़ा, दुःख	कर्ब	کرب
भयंकर	हौलनाक	ہولناک
लुटेरा	रहज़न	رہزن
दरबार	बारगाह	بارگاہ
भविष्य, आने वाला समय	मुस्तक़बिल	مستقبل
वर्तमान	हाल	حال
बीता हुआ, भूत काल	माज़ी	ماضی

सौन्दर्य	जमाल	جمال
भिखारी	गदा	گدا
तहस-नहस	पाय-माल	پائمال
तेज, प्रताप	जलाल	جلال
दासी	कनीज़	کنیز
पीछा करना	त-आ-क़ुब	تعاقب
आवाज़	निदा	نِدا
समानता	मसावात	مساوات
चाँद	क़मर	قمر
फल	समर	ثمر
ग़रीबी	अफ़लास	افلاس
दुनिया, ज़माना	गीती	گیتی
फूल सा चेहरा	गुल-रूख़	گُل رُخ
गुप्त स्थान	कमीगाँह	کمیں گاہ
निराश, उदास	आज़ुर्दा	آزردہ

प्रकाशमान	दरख़्-शाँ	درخشاں
.गुलाः	महकूम	محکوم
लगातार	मुसलसल	مسلسل
तेज, चमक	ताबानी	تابانی
प्यासा	तिश्ना	تشنہ
प्यास	तिश्नगी	تشنگی
मानव	बशर	بشر
तीखी, तेज़	तुंद	تُند
मौत	हलाकत	ہلاکت
शरीर	जसद	جسد
क़दम	गाम	گام
प्रण, ज़माना	अहद	عہد
लीन	सर-शार	سرشار
रात	शबिस्तान	شبستاں
साथी, मित्र	हम-नफ़्स	ہم نفس

अग्निशाला	आतिशकदा	آتشکدہ
उचित	वाजिब	واجب
संभावना	इमकान	امکان
धन्य, शाबास	आफ़रीं	آفریں
विशेष प्रबंध	एहतेमाम	اہتمام
जनता	ख़िलक़त	خلقت
गिरजाघर	कलीसां	کلیسہ
प्रतिज्ञा	अज़्म	عزم
अमर रहे	पाइन्दाबाद	پائندہ آباد
झंडा	पर्चम	پرچم
कंधा	दोश	دیش
धर्म	दीन	دین
सुगंध	शमीम	شمیم
न्याय	अद्ल	عدل
दुल्हन	उरूस	عروس

वातावरण	फ़ज़ा	فضا
मन्दिर	दैर	دیر
मस्जिद, परदे की जगह	हरम	حرم
आलिंगन	हमकिनार	ہمکنار
मित्र, प्रिय	नदीम	ندیم
कानाफूसी	सरगोशी	سرگوشی
जगह	जा	جا
मदिरा, शराब	बादा	بادہ
अधूरा	नातमाम	ناتمام
लम्बा	दराज़	دراز
समूह, भीड़	हुजूम	ہجوم
पत्ता	बर्ग	برگ
प्रेमिका, प्रेमी	जानाँ	جاناں
शक्तिहीनता	नातवानी	ناتوانی
मार्ग	रहगुज़र	رہگُذر

उथल-पुथल	तुग़यानी	طغیانی
मार्गदर्शक	राहबर	راہبر
विद्रोह	बग़ावत	بغاوت
छुटकारा	नजात	نجات
आश्रय	पनाह	پناہ
अत्याचार	जोर	جور
उदास	अफ़सुर्दा	افسردہ
हंसली	तौक़	طوق
हंगामा	शोरिश	شورش
तलाश	जुस्तुजू	جُستجو
परेशानी से छुटकारा दिलाने वाला	चारागर	چارہ گر
अक्षर	हर्फ़	حرف
निष्ठा	वफ़ा	وفا
अर्पित	वक़्फ़	وقف
मुसीबत	अलम	اَلَم

सुबह	सहर	سحر
गली	कूचा/कू	کوچہ/کو
पारा	सीमाब	سیماب
सामान	रख़्त	رخت
बुद्धि	ख़िरद	خِرد
फूल	गुल	گُل
पहाड़	कोह	کوہ
आँसू	अश्क	اشک
लालसा	हवस	ہوس
छाला	आबला	آبلہ
धर्म-गुरू	पीरेमुग़ाँ	پیرِمُغاں
बुरा विचार	वसवसा	وسوسہ
गुलाब जैसा रंग	गुल-गूँ	گُل گوں
सुबह की हवा	बादे-सबा	بادِ صبا
लाभ-हानि	सूद-ओ-ज़ियां	سود وزیاں

सीपी	सदफ़	صدف
ईश्वर की इच्छा	मशीयत	مشیّت
पहेली	मुअम्मा	مُعمّہ
उपाय	दरमाँ	درماں
सांत्वना, ढाढ़स	तस्कीन	تسکین
सम्मान, प्रशंसा	पिज़ीराई	پذیرائی
लिहाज़	पास	پاس
क्षतिपूर्ति	मुदावा	مُداوا
निस्वार्थ	इख़लास	اخلاص
ढूंढने वाला	मुतलाशी	مُتلاشی
विरह	फ़ुर्क़त	فُرقت
मृगतृष्णा	सराब	سراب
बुलबुला (पानी का)	हुबाब	حُباب
वर्तमान युग, काल	दौराँ	دوراں
जादू	फुसूँ	فسوں

آبِ حیات	आबे-हयात	अमृत
نرغہ	नरग़ा	घेरा
یلغار	यलग़ार	आक्रमण
قشقہ	क़श्क़ा	तिलक
مقتل	मक़्तल	वध-स्थल
دام	दाम	जाल
تخیّل	तख़य्युल	कल्पना
وادی	वादी	घाटी
طائر	ताएर	पक्षी
پرواز	पर्वाज़	उड़ान
زرّیں	ज़र्रीं	सुनहर्रा
لختِ جگر	लख़्ते-जिगर	जिगर का टुकड़ा/बेटा
وصال	विसाल	मिलन
مُشت	मुश्त	मुट्ठी
خُم	ख़ुम	प्याला

कोना	गोशा	گوشہ
उदारता	मुशफ़िक़	مُشفق
उपकारी	मोहसिन	محسِن
उज्जवल, दीप्त	मुनव्वर	منوّر
नवीन, अर्वाचीन	जदीद	جدید
गद्य	नस्र	نثر
पद्य, प्रबंध	नज़्म	نظم
अण्डा	बैज़ा	بیضہ
समान, तरह	मिस्ल	مِثل
प्रकाशक	नाशिर	ناشر
मुद्रण, छपाई	तबा-अत	طباعت
विभाग	शो'बा	شعبہ
कवि	शाएर	شاعر
परिचय	त-आ-रुफ़	تعارف
शुभ नाम	इस्मे शरीफ़	اسم شریف

सेवक	ख़ादिम	خادم
पति	ख़ाविन्द	خاوند
उद्देश्य	मक़सद	مقصد
जिसे मान्यता प्रात हो गई हो	मक़बूल	مقبول
रचना, कृति	तख़लीक़	تخلیق
रूचि	ज़ौक़	ذوق
संग्रह	मजमूआ़	مجموعہ
प्रकाशित	इशा-अ़त	اشاعت
सभा	इजलास	اجلاس
उद्घाटन	इफ़्तेताह	افتتاح
प्रकाशित करना	शा-ए करना	شائع کرنا
मशहूर, प्रसिद्ध	नामवर	نامور
तत्काल	बर-वक़्त	بروقت
काम, कार्य, बात	अम्र	امر
Rare कभी कभी मिलने वाली वस्तु	नायाब	نایاب

शीर्षक	उनवान	عنوان
लेख	तहरीर	تحریر
सम्बंध	तअ़ल्लुक़	تعلّق
श्रद्धांजलि	ख़िराजे तहसीन	خراجِ تحسین
समर्थक	क़ादिर	قادر
केन्द्र बिन्दु	महवर	محور
कोण	ज़ाविया	زاویہ
आलोचना, टिप्पणी	तन्क़ीद	تنقید
व्यक्तित्व	शख़्-सियत	شخصیت
व्यक्ति	शख़्स	شخص
विद्यार्थी	तालिबे-इल्म	طالبِ علم
शराब का प्याला	साग़र	ساغر
शामत, मौत	क़ज़ा	قضا
पत्थरदिल, जालिम	संगदिल	سنگدل
बुत	सनम	صنم
बदले में (सिला)	एवज़	عوض
अल्पायु	कमसिन	کمسِن

آسان فقرے اور جُملے

اَب چل مَت لَڑ بَس کر مَت ڈر۔
سَچ کہہ غم مَت کر کَل تک رَہ شک مَت کر
تَل پر چَل بچ کر چَل بَک بَک مَت کر تِب گِن
مَت ہِل مَت گِر دَس تک گِن چُپ رَہ
مَت لَڑ مَت سُن غُل مت کر

دَادَا آنا باجا لانا جاڑا آیا چاقو پایا آلو کاٹو
چوڑی ٹوٹی مُرغی پالی لڑکی جاگی ہم سے بولو
کُرتا سِی دو کوڑا باہر ڈالو دادی کو سالَن دو
کامِل کو رُوٹی دو آپا سے برفی لو خالو سے موزے لو
لوٹا کِس نے توڑا؟ یُونُس نے توڑا ہوگا کامِل آؤ
پُل پر جاؤ کرسی لاؤ کُرتا لائی چابی پائی نانا آئے

جوتا لائے گانا مت گاؤ کامل دوڑا لڑکی دوڑی
لونکی کاٹو سوتک گن لو سودا لے لو چوڑا برتن لاؤ
شاکر کا نوکر آیا ہے اے رب تو سب کا مالک ہے
ساگ کاٹو جال ڈالو یاد کر لو آم لے لو پان دیدو
آم لال ہے شاکر دال لایا ہے آپ کب آئے
کل رات آئے باپ کی بات مانو مور آیا کون
آیا ہے چور ہوگا فوج آئی ہے سوت کاتو
اسے چوس لو سوچ کر بولو ہر روز آؤ دوا لے آؤ
چور کو سزا دو سڑا ساگ مت لو کامل کو جگاؤ
آپا کو بلاؤ نانی نے آگ جلائی دادی نے روٹی پکائی
یونس نے کہانی سنائی چڑیا اڑی دوا بنی
چوٹ لگی چابی مل گئی کرتا سیو گاڑی آگئی
دادا چلے گئے آپا کی بات سنو کسی سے مت ڈرو

بُرے کام سے بچو بڑے کا اَدب کرو بادل گرج
رہا ہے پانی برس رہا ہے سڑک پر مت جاؤ۔
اَچکَن کا کپڑا کالا ہے اسلم سوئے گا سُستی
مت کرو اَختر سے کُشتی لڑو اُس کی تختی دے دو
آپا نے چڑیا پکڑی مُنشی جی کمبل لائے نانا نے
کِشمِش دی آپا نے اِملی دی کابِل نے شیشم کاٹا
پیتل کا لوٹا لاؤ پپلا دھاگا دو چارپائی پر لیٹو۔
میرے جوتے دو کیلا کیسا ہے؟ ایک سیب دو
تین بیر لو بیل بیچ ڈالو نانا پیر کے دن آئے دَوا
پیس لو چیل اُڑ گئی چاقو تیز ہے قلم میز پر ہے
اکبر کا پیر بڑا ہے اختر نیک لڑکا ہے دادا سیر کرنے
گئے خالو نے موزہ دیا آم زرد ہے روٹی گرم
ہے بستر نرم ہے فِکر مت کرو رَبّ کا شکر ادا کرو

خرچ کم کرو حاجی صاحب آگئے آپا جان کا
خط آیا حافظ صاحب کی دعوت ہے پنڈت جی
چلے گئے اصغر مسجد گیا ہے خالد حاضر ہے
حق بات کہو ضد مت کرو خالو پیدل گئے
چوری کرنا بُری عادت ہے۔ سورج نظر آرہا ہے
صبح کے وقت وَرزش کرو عقل سے کام لو
نقل مت کرو کپڑے بدل کر آؤ عطر لگالو کسی
سے قرض مت لو ذرا بات سُنو غریب کی مدد
کرو فقیر کو روٹی دے دو سعید کی قمیض لاؤ
پاک صاف رہو حساب کی کتاب لاؤ اب کیسا
حال ہے حکیم صاحب کی دوا کرو کل عید ہے
اکبر گھر گیا ذرا تھم جاؤ چھت پر کون ہے ،
پانی بھر دو انعام تھک گیا تالا کھل گیا

سالن چکھ لو کرتا رکھ دو سورج چھپ گیا آگ
بجھ گئی کپل چبھ گئی دری بچھ گئی گھوڑا بھاگا
کاغذ پھاڑا آم کھایا جھولا ڈالو جھاڑو دیدو
لڑکا بھوکا ہے پان سوکھا ہے چولھا بڑا ہے
عارفہ آئی تھی سیدھے جاؤ کپڑے سوکھے کرتا
بھیگا ہے جوتا ڈھیلا ہے روٹی سوکھی ہے جھوٹ
مت بولو دری جھاڑلو دھول مت اڑاؤ ہاتھ
دھوکر کھانا کھاؤ میرے ساتھ چلے آؤ مجھے بھوک لگی ہے
اس وقت دھوپ ہے دری سوکھ رہی ہے آم
چھیل کر کھاؤ ٹھیک بات کہو لکھنا سیکھ لو اب
بیٹھ جاؤ کھیل کے وقت کھیلو کام کے وقت کام کرو
کمرہ بند کرو تازہ پانی پی لو خالد نے میرا موزہ بنا
آج آپا کا روزہ ہے بستہ کھولو گھنٹہ بج گیا سچا

لڑکا اچھّا ہوتا ہے کچّا آم کھٹّا ہوتا ہے ابّا آ گئے
مٹّی سے مت کھیلو غُصّہ مت کرو ماں باپ کی
خدمت کرو نانا نہیں آئے کہیں گئے ہوں گے
ماموں کل آئیں گے امّاں چلی گئیں آپ کہاں
جاتے ہیں وہاں مت جایئے شکر کیا ہوئی ؟
آپا نے شربت میں ڈالی تھی جلیل صاحب کیوں نہیں
آئے ؟ اُنھیں کچھ کام تھا میں نے کل رات ایک
خواب دیکھا تھا ؟ اپنا کام خود کرو ، ماں باپ کو
خوش رکھو ، خُوب محنت سے پڑھو ، کھیلنے سے پڑھنا
بہتر ہے ، غرُور مت کرو ، بڑوں کے کام سے اِنکار
مت کرو ، ہر حالت میں خدا کا شکر ادا کرو اور اُس
کو یاد رکھو
چاقو لاؤ مولی کاٹو ، میرا شیشہ ٹوٹ گیا ہے

بازار سے آلو لے آؤ ، یہ لڑکا خوب پڑھتا ہے ،

پان پر زیادہ چونا مت لگاؤ ، فرش پر مت تھوکو ،

دارا جھوٹ بول رہا ہے ، ہر جگہ موہن کے گانے

کی دھوم ہے ، اِس سادھو کو کچھ آٹا دیدو ، لڑکی

جھولا جھول رہی ہے ، گانا گا کر پھول رہی ہے ،

یہ میرے ابّا کا کُتّا ہے ۔ بڑا اچھا ہے ۔ ایک آواز

پر ابّا کے پاس آجاتا ہے ۔ سلیم اپنے کلاس میں اوّل

آیا ہے ۔ اِس بچّے کو بگھی میں بٹھا دو ۔ مُنّی کو پتھر

سے ٹھوکر لگی ۔ خچّر پر ردّی لاد کر لے جاؤ ۔

مُنّے تم مدرسہ جانے کے لیے تیار ہو جاؤ

بہت اچھّا ابھی تیّار ہوا جاتا ہوں

مُنّی کے ابّا نے مُنّی کو ایک اَٹھنّی دی ، وہ اپنی

امّاں کے لیے بازار سے مٹھائی خرید کر لائی ۔

آج نسیم مدرسہ نہیں جائے گا۔ اُس کے دانت
یں دَرْد ہے ۔ اِسکول میں ہمارے ماسٹر نے چانّد خاں
کو خُوب سزا دی ۔ اُس کی آنکھوں میں آنسو آ گئے۔
پنے مُنہ سے کوئی بُری بات نہ نِکالو ۔
یہ بھَینس موہن کی ہے ۔ دس کلو دُودھ دیتی
ہے ۔ میں آج آگرہ جاؤں گا ۔ نانا جی ساتھ جائینگے
چلو باغ چلیں ۔ وہاں آم کھائیں گے ۔ تالاب میں
نہائیں گے ۔ کنوئیں کا ٹھنڈا پانی پیئیں گے اور تھوڑی
دیر وہاں آرام کریں گے ۔

ختم شد

आकाशवाणी से.....

"उर्दू लर्निंग कोर्स"

पुस्तक आकार के 128 पृष्ठों पर आधारित यह पुस्तक हिन्दी सीखने वाले विद्यार्थियों के लिये बड़ी लाभदायक है। जो विद्यार्थी हिन्दी जानते हैं और वह उर्दू सीखना चाहते हैं, वह इस किताब की मदद से उर्दू आसानी से सीख सकते हैं। इसके लेखक रईस सिद्दीकी साहब हैं। उन्होंने अत्याधिक आसान शब्दों की मदद से उर्दू सीखने के तरीक़े समझाए हैं । से ے तक उर्दू और उसके साथ हिन्दी के शब्द दिये हैं। उर्दू के ऐसे अक्षर जिनकी आवाज़ एक जैसी होती है, जैसे ظ ض ز ذ के लिये हिन्दी में 'ज़'। ص ث س के लिये हिन्दी में सिर्फ 'स' की आवाज़ है। ہ ح के लिये 'ह' प्रयोग होता है। ط ت के लिये हिन्दी में 'त' और ع । के लिये हिन्दी में 'अ' की आवाज़ की पहचान कराई गई है। इसी तरह अक्षरों की बदलती शक्लों की पहचान और जोड़कर शब्द बनाने की जानकारी समझायी गई है। पुस्तक में प्रारंभ से अन्त तक उर्दू भाषा को आसान ढंग से लिखने के तरीक़े अच्छी तरह समझाये गये हैं। इसमें साफ़ ढंग से यह भी बताया गया है कि कौन से शब्द बाद में आने वाले शब्दों से जुड़ जाते हैं और कौन से नहीं। यह सब बातें बहुत सारे उदाहरण देकर बताई गई हैं। उर्दू शब्दों का हिन्दी प्रयोग और हिन्दी में उनका अर्थ भी दिया गया है। हिन्दी महीनों के नाम, दिनों के नाम, अंग्रेजी और अरबी महीनों के नाम, उर्दू और हिन्दी दोनों भाषाओं में दिये गये हैं। उर्दू शब्दों के अर्थ, उच्चचारण के साथ बताये हैं अर्थात् यह किताब उर्दू भाषा सीखने में न केवल सहायक होगी बल्कि इसके अध्ययन से जो आम त्रुटियां रह जाती हैं उन्हें भी दूर करने में सहायक सिद्ध होगी। इस तरह इसके द्वारा आसान हिन्दी में उर्दू पढ़ना-लिखना सीखा जा सकता है।

₹ 50/-

उर्दू मजलिस, आकाशवाणी दिल्ली से 19.2.96 को प्रसारित